RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 208
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, मंगलवार, 21 नवम्बर, 2023

एक नज़र

कोरोना के बाद ग्रीवा धमनी का सेंसर नहीं दे रहा दिमाग को सटीक संकेत, एम्स का 110 मरीजों पर अध्ययन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बाद ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल और दिमाग को धोखा दे रहा है। वह भी ऐसा, जिसमें दिमाग सटीक संदेश दिल तक नहीं पहुंचा पा रहा है। इससे अचानक शरीर की मुद्रा बदलने से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे दिल की धड़कनों में तेज बदलाव आता है। कई बार लोगों को चक्कर भी आ जाता है। इसमें हार्ट फेल होने की आशंका है। एम्स की एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। अध्ययन 110 मरीजों पर किया गया है। इसमें शामिल 57 मरीजों में कोरोना के दौरान हल्के लक्षण थे। इन्हें कोई दूसरी बीमारी नहीं थी और यह सभी 3 से छह माह में अपने घर में ही पूरी तरह से ठीक हो गए थे। जबकि 53 मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री कोविड-19 से पहले की थी। अध्ययन के दौरान दोनों का मिलान किया गया। इस दौरान कोविड से 3 से 6 माह में ठीक हुए हल्के लक्षण के मरीजों की बैरोफ्लेक्स (सेंसर) की संवेदनशीलता को देखा। साथ ही यह पता लगाया गया कि इसका कैरोटिड (ग्रीवा) धमनी से क्या संबंध है। शोधकर्ता यह देखकर हैरान हुए कि कोविड के हल्के लक्षण वाले मरीजों में अभी भी बैरोफ्लेक्स की संवेदनशीलता कमजोर है।

कोरोना में सेंसर हुआ प्रभावित

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के डॉ. डीनू एस चंद्रन ने कहा कि अध्ययन में पाया गया कि कोरोना महामारी ने मरीजों के बैरोफ्लेक्स को प्रभावित किया है। जो दिमाग को संकेत देता है। इसमें आई दिक्कत के कारण दिल जरूरत के आधार पर काम नहीं कर पाता। यहीं कारण है कि अक्सर जब हम कुछ देर तक बैठे रहते हैं और अचानक खड़े होते है तो दिल की धड़कन बढ़ जाती है या फिर चक्कर आने लगता है। आशंका जाहिर की जा रही है कि यह अचानक बढ़ रहे दिल के दौरे का बढ़ा कारण हो। बैरोफ्लेक्स हमारे शरीर के आधार पर रक्तचाप को स्थिर बनाने में मदद करता है। जबकि अब यही प्रभावित हो गया है। उनका कहना है कि यदि सामान्य मरीजों की स्थिति ऐसी है तो कोरोना के गंभीर मरीजों की स्थिति और खराब हो सकती है।

लखनऊ की बैंक में लगी आग

40 लोग फंसे थे अंदर, खिड़की को तोड़कर निकले बाहर

एजेंसी

लखनऊ। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर केनरा बैंक का दफ्तर है। पहली मंजिल पर पूनावाला हाउसिंग लोन कंपनी व रुद्रा प्रॉपर्टी का दफ्तर है। पुलिस के मुताबिक शाम करीब छह बजे हाउसिंग लोन के दफ्तर में आग लग गई।

नवल किशोर रोड स्थित सत्या बिजनेस पार्क बिल्डिंग की पहली मंजिल पर सोमवार शाम शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इससे फाइनेंस और रियल एस्टेट कंपनी का दफ्तर राख हो गया। इस दौरान भीतर फंसे करीब 40 कर्मचारियों में चीख-पुकार मच गई। ये लोग खुद खिड़की के शीशे तोड़कर छज्जे पर आए और फिर स्थानीय लोगों ने सीढ़ियां लगाकर इन्हें उतारा। इस दौरान तीन लोग बेसुध हो गए, जबकि तीन चोटिल हो गए। दमकलकर्मी करीब एक घंटे में आग पर पूरी तरह से काबू पा सके। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर केनरा

बैंक का दफ्तर है। पहली मंजिल पर पूनावाला हाउसिंग लोन कंपनी व रुद्रा प्रॉपर्टी का दफ्तर है। पुलिस के मुताबिक शाम करीब छह बजे हाउसिंग लोन के दफ्तर में आग लग गई। जब तक कर्मचारी कुछ समझ पाते, आग फैल गई। इससे सटे रुद्रा प्रॉपर्टी का दफ्तर भी जलने लगा तो भगदड़ मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। इसके बाद भीतर फंसे लोग खिड़की के शीशे तोड़ छज्जे पर आए और फिर सटी बिल्डिंग के छज्जे पर गए। यहां से लोगों ने सीढ़ियां लगाकर इन्हें उतार लिया। सीएफओ मंगेश कुमार ने बताया कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया।

एक तरफ बिल्डिंग जल रही थी तो दूसरी ओर अंदर भगदड़ मची थी। मिनटों में बिल्डिंग में धुआं भर गया। आग लगने के डर और दमघोंटू धुएं से सीता, सौरभ और हरीश बेहोश हो गए। साथी कर्मचारियों ने किसी तरह इन्हें निकाला। हालांकि, तब तक दमकल की टीम पहुंच गई थी। फिर हाइड्रोलिक मशीन की मदद से लोगों को बाहर निकालने में आसानी हुई। उधर, बाहर निकलते वक्त फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी नितिन पाल, आशीष व संजीव मामूली रूप से चोटिल हो गए। बिल्डिंग के बाहर सर्वेश नाम का शख्स खड़ा था। पास में उसकी बाइक थी। ऊपर से जलता सामान उसकी बाइक पर गिरा। सर्वेश तो बच गया, लेकिन उसकी बाइक जलकर राख हो गई।

बिल्डिंग के मालिक को जारी किया जाएगा नोटिस

सीएफओ ने बताया कि शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। पड़ताल की जा रही है। बिल्डिंग से निकलने का दूसरा रास्ता नहीं है। बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी किया जा रहा है। एफओसी मांगने पर वह एनओसी उपलब्ध नहीं करवा सके। अब दमकल विभाग अपने स्तर से जांच कर कार्रवाई करेगा।

भाजपा को राजस्थान में जादुई करिश्मे की आस मुकाबला है बेहद कड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष के नेताओं से बात कीजिए तो उन्हें भाजपा के लिए एकमात्र उम्मीद राजस्थान में दिखाई देती है, लेकिन वह भी बहुत कड़े और नजदीकी मुकाबले में। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय हों या गोपाल कृष्ण अग्रवाल, संबित पात्रा जैसे नेता डंके की चोट पर कहते हैं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत लाएगी। भाजपा प्रवक्ता मध्यप्रदेश में भी पार्टी की जीत की उम्मीद जताते हैं, जबकि कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि भाजपा की छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी हार तय है। कांग्रेस के नेता महेंद्र जोशी कहते हैं कि भाजपा के कुछ अच्छे नतीजे आए, तो वह राजस्थान में ही संभव है। शेष चार राज्यों में उसे अगले पांच साल बाद किस्मत दांव पर लगानी होगी। तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव को भी यही दिखाई दे रहा है। हालांकि सुष्मिता कहती हैं कि वसुंधरा राजे को किनारे रखकर भाजपा ने पहले ही अपनी हार तय कर ली है। अब बचा ही क्या है? मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बारे में कहती हैं कि वहां तो भाजपा को हार मिलनी ही है।

एक तरफ मोदी, नड्डा, शाह, तो दूसरी तरफ खरगे, राहुल और प्रियंका

कांग्रेस पार्टी का कहना है कि राजस्थान में स्पष्ट बहुमत आने के तीन बड़े कारण हैं। पहला तो यह कि चुनाव में कांग्रेस के पास चेहरा है। भाजपा बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के चुनाव लड़ रही है। दूसरा बड़ा कारण है कि प्रधानमंत्री के पास विक्टिम कार्ड के अलावा गिनाने के लिए कुछ नहीं है। वह हर जनसभा में एक ही तरह की बात दोहराते हैं। जबकि नड्डा और अमित शाह की जनसभा में कुर्सियां खाली नज़र आ रही हैं। तीसरा बड़ा कारण है कि कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है। तृणमूल कांग्रेस की नेता सुष्मिता देव कहती हैं कि भाजपा की हालत खराब है। इसका सबसे बड़ा संकेत छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले पांच साल में कोई चेहरा न दे पाना है। तीनों राज्यों में पार्टी अपने जिन नेताओं को पीछे धकेलने का संकेत दे रही थी, उनमें से दो में मतदान का समय आने से पहले उसे उन्हीं चेहरों को महत्व देना पड़ा। मुझे लग रहा है कि ऐसा ही राजस्थान में भी करना पड़ सकता है।

4200 शिक्षक-कर्मचारियों के एनपीएस का पैसा निजी बीमा कंपनियों में लगाया

एजेंसी

लखनऊ। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक (एडेड) विद्यालयों में एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के पैसे की कटौती में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। विभाग के कर्मचारियों ने अधिकारियों की मिलीभगत से 25 जिलों के 4200 से अधिक कर्मियों का पैसा नियम विरुद्ध निजी बीमा कंपनियों में जमा कर दिया। शासन ने जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्णय के अनुसार एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के वेतन से की गई कटौती व सरकार का अंश, निर्धारित बीमा कंपनियों में जमा करना था। लेकिन, दो दर्जन से अधिक जिलों में संबंधित कर्मियों की सहमति के बिना यह पैसा निजी बीमा कंपनियों में जमा कर दिया गया। मामले में शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. महेंद्र देव ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, मंडलीय उप शिक्षा निदेशक, डीआईओएस व वित्त एवं लेखाधिकारी को 25 जिलों की सूची भेजी है। इसमें कहा गया है कि इन जिलों में एक अप्रैल, 2022 से आठ नवंबर, 2023 के बीच 4257 कर्मियों के साथ गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। संबंधित अधिकारी अपने कार्यालयों के माध्यम से इसकी जांच कराकर तत्काल संबंधित अधिकारी/पटल सहायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करके निदेशालय को सूचित करें।

एक फीसदी कमीशन का लालच

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ. आरपी मिश्रा ने कहा कि यह पूरा मामला कमीशनखोरी का है। निजी कंपनियों में एक फीसदी कमीशन मिलता है। सिर्फ लखनऊ की बात करें तो 25 करोड़ का एक फीसदी कमीशन संबंधित को मिला होगा। मामले की एसटीएफ से जांच हो व दोषियों पर कार्रवाई हो। यह भी देखा जाए कि इससे पहले तो गड़बड़ी नहीं हुई है।

25 जिलों में गड़बड़ी

लखनऊ, बाराबंकी, अंबेडकरनगर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, गौतमबुद्ध नगर, इटावा, बुलंदशहर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, बलरामपुर, काशगंज, बिजनौर, झांसी, रामपुर, देवरिया, गाजियाबाद, अलीगढ़, चित्रकूट, फतेहपुर, मेरठ, आगरा, सोनभद्र

क्या है नियम

एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के मूल वेतन का 10 फीसदी और सरकार का 14 फीसदी अंश एनएसडीएल के माध्यम से निर्धारित एसबीआई, एलआईसी या यूटीआई में जमा किया जाएगा।

सांसों पर संकट बरकरार

27 इलाकों में हवा बेहद खराब और छह में खराब

एजेंसी

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में जैसे-जैसे गिरावट आएगी, वैसे ही हवा की गति कम होने से वातावरण में फैले प्रदूषक कण और संघन होंगे। ऐसे में वायु गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है।

राजधानी में वायु की दिशा बदलने व गति कम होने से सांसों पर संकट बरकरार है। दो दिन से हवा बेहद खराब श्रेणी में स्थिर है। सोमवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 348 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। यह रविवार के मुकाबले 29 सूचकांक ज्यादा है। एनसीआर के शहरों में दिल्ली की हवा सबसे प्रदूषित रही। सुबह के समय हवा कोहरा छाया नजर आया। ऐसे में इस दौरान एक्यूआई खराब श्रेणी में पहुंचा। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया वैसे ही प्रदूषण बढ़ता गया। पंजाबी बाग समेत तीन इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। 27 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में व छह इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। कमोबेश यही स्थिति बृहस्पतिवार तक बने रहने का अनुमान है।

विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में जैसे-जैसे गिरावट आएगी, वैसे ही हवा की गति कम होने से वातावरण में फैले प्रदूषक कण और संघन होंगे। ऐसे में वायु गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को तीन इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें पंजाबी बाग में 418, बवाना में 414 व जहांगीरपुरी में 402 एक्यूआई दर्ज किया गया।

27 इलाकों में बेहद खराब हवा दर्ज की गई। इसमें वजीरपुर व मुंडका में सर्वाधिक वायु सूचकांक दर्ज किया गया। यहां एक्यूआई 399 व 390 रहा। द्वारका सेक्टर 8 में 387, पटपड़गंज में 384, ओखला फेस-2 में 375 व नरेला में 372 समेत 27 इलाकों में बेहद खराब श्रेणी में एक्यूआई दर्ज किया गया। छह इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां विवेक विहार में 295, लोदी रोड में 292, डीटीयू में 284, मथुरा रोड में 271 व आया नगर में 269 समेत छह इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

बृहस्पतिवार तक बेहद खराब श्रेणी में रहेगी हवा

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, सोमवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलीं। इस दौरान हवा की गति आठ किलोमीटर प्रतिघंटा रही। मंगलवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति 10 से 16 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के आसार हैं। सुबह स्मॉग छाए रहने की आशंका है। ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। बुधवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलेंगी। हवा की गति 6 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। बृहस्पतिवार को हवाएं पूर्व की दिशा से चल सकती हैं। इस दौरान हवा की गति 8 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने की संभावना है। सफर इंडिया के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली में पीएम 2.5 की मात्रा लगभग 150 दर्ज की गई, जोकि खराब श्रेणी में है। पीएम 10 की मात्रा 261 दर्ज की गई है।

पहले कर्नाटक अब यूपी में हलाल पर बवाल क्यों

आखिर क्या होते हैं इससे जुड़े उत्पाद?

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर हलाल का मुद्दा खड़ा हो गया है। यह मुद्दा तब सामने आया, जब शनिवार (18 नवंबर) को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में किसी भी उत्पाद के हलाल प्रमाणन पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी। इससे पहले 17 नवंबर को यूपी पुलिस ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में हलाल सर्टिफिकेशन जारी कर धंधा करने वाली कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। हलाल का मुद्दा भले ही यूपी में अभी चर्चा में है लेकिन इससे पहले दक्षिणी राज्य कर्नाटक में महीनों तक यह मुद्दा छाया रहा था। ऐसे में हमें जानना चाहिए कि हलाल उत्पाद होते क्या हैं? यूपी में हलाल उत्पादों को लेकर क्या मुद्दा है? इससे पहले कर्नाटक में क्या हुआ था?

आखिर क्या होते हैं हलाल उत्पाद?

हलाल का मतलब यह है कि इस्लामी कानून का पालन करते हुए उत्पाद को तैयार किया गया है। साल 1974 में हलाल प्रमाणिकता की शुरुआत हुई थी। यह साल 1993 तक सिर्फ स्लॉटर मांस उत्पादों पर लागू था, लेकिन बाद में अन्य खाद्य उत्पादों, दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों समेत कई चीजों के लिए किया जाने लगा।

यूपी में हलाल उत्पादों को लेकर क्या मुद्दा है?

उत्तर प्रदेश में किसी भी उत्पाद पर हलाल प्रमाणन पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। प्रदेश में हलाल प्रमाणन वाले किसी भी खाद्य उत्पादों और दवाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा। 18 नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी कर किया गया है। यदि कोई उत्पादन हलाल प्रमाणन वाला पाया गया तो संबंधित निर्माता के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। निर्माण के साथ ही भंडारण, वितरण, विक्रय पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश के मुताबिक, यह पाबंदी खाद्य उत्पाद के साथ ही दवाओं पर भी लागू होगी। हालांकि, विदेश भेजे जाने वाले उत्पाद के लिए छूट रहेगी। इस संबंध में सभी खाद्य एवं औषधि निरीक्षकों को निरंतर निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

योगी सरकार के फैसले को देंगे चुनौती- जमीयत उलमा-ए-हिंद

इस बीच जमीयत उलमा-ए-हिंद ट्रस्ट ने योगी सरकार के फैसले को अदालत में चुनौती देने का एलान किया है। ट्रस्ट के सीईओ नियाज अहमद फारुकी ने यूपी में हलाल लिखे उत्पादों की बिक्री पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाने को गलत करार दिया है। फारुकी ने कहा कि वह इस मुद्दे को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

कर्नाटक में हलाल पर क्यों मचा था बवाल?

देश के कई राज्यों में समय-समय पर हलाल उत्पादों पर पाबंदी लगाने की मांग उठती रही है। यूपी से पहले कर्नाटक में हलाल उत्पादों को बंद करने की मांग उठी थी। पिछले साल दिसंबर में राज्य विधानसभा के बेलगावी में हुए सत्र के दौरान हलाल मीट पर पाबंदी के लिए एक विधेयक लाया गया था। कर्नाटक विधान परिषद में भाजपा के सदस्य एन. रविकुमार ने यह विधेयक लाने की पहल की थी। उस वक्त भाजपा नेता ने कहा था कि एफएसएसएआई के अलावा किसी अन्य निकाय द्वारा खाद्य वस्तुओं का प्रमाणन नहीं करना चाहिए। बगैर एफएसएसएआई सर्टिफिकेट के हलाल मीट के विक्रय पर पाबंदी लगना चाहिए।

ऐसे शुरू हुई थी विवाद की शुरुआत

इस मुद्दे पर पिछले साल मार्च में भी उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब हिंदू संगठनों ने उगाड़ी उत्सव के दौरान राज्य में हलाल मांस के बहिष्कार का आह्वान किया था। उस दौरान भाजपा का एक धड़ा विधेयक पारित कर इसे कानूनी मान्यता देना चाहता था। रविकुमार ने इसे एक निजी बिल के रूप में पेश करने की योजना भी बनाई थी। हालांकि, सरकारी विधेयक न होने के कारण यह आगे नहीं बढ़ सका और कुछ महीनों बाद मई में कांग्रेस की सरकार आ गई।

हलाल पर क्यों होता है विवाद?

दरअसल, मीट निकालने के लिए हलाल और झटका दो तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है। हलाल मीट में जानवर की सांस की नली को काट दिया जाता है। इसकी वजह से थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो जाती है। ऐसा करने के लिए जानवर की गर्दन को रेता जाता है। वहीं, झटका मीट जानवर की गर्दन पर एक झटके में तेज वार किया जाता है। इससे गर्दन धड़ से अलग हो जाती है। इस्लाम में हलाल मीट की मान्यता है। पिछले साल कर्नाटक में जो लोग हलाल मीट का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इस तरह मारे गए जानवर का मांस हिंदू देवी-देवताओं के लिए दूषित हो जाता है। इसलिए एक ही झटके से मारे गए जानवर का मांस ही ठीक है। जिसे होसा-तड़ाकू उत्सव पर देवी-देवताओं को चढ़ाया जा सकता है। हलाल मीट का विवाद आने के बाद बेंगलुरू की वकील और पोषण-आहार कार्यकर्ता क्लिफ्टन रोजारियो का बयान सामने आया था। रोजारियो ने दावा किया, जानवरों को झटके से मारा गया हो या हलाल किया गया हो। इससे उनके मांस की पौष्टिकता पर कोई असर नहीं पड़ता। जानवरों को मारे जाने की प्रक्रिया का पूरा मामला धार्मिक है।

पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने को 21 से शुरू होगा एनएसवी पखवारा

परिवार नियोजन के लिए पुरुषों को आगे आना होगा: सीएमओ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली । परिवार नियोजन के लिए पुरुष नसबंदी सबसे बेहतर विकल्प है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी पखवारा (एनएसवी पखवारा) का आयोजन दो चरणों में 21 नवम्बर से चार दिसम्बर के मध्य किया जाएगा। इस दौरान प्रजनन स्वास्थ्य को देखते हुए पुरुष नसबंदी के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। यह अभियान ÷स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा÷ थीम पर दो चरणों में चलेगा। प्रथम चरण में मोबिलाइजेशन फेज 21 नवंबर से 27 नवंबर तक द्वितीय चरण में सेवा प्रदायगी फेज 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक पुरुषों की भागीदारी से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सीएमओ डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए पुरुषों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रजनन स्वास्थ्य के दृष्टिगत पुरुष नसबंदी बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक मामूली शल्य प्रक्रिया है और महिला नसबंदी की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित है। पुरुष नसबंदी के लिए न्यूनतम संसाधनों एवं बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि एनएसवी विधि के द्वारा किए जाने वाली पुरुष नसबंदी में न तो चीरा लगता है, न टांका लगता है और न ही पुरुष की पौरुष क्षमता में कमी या कमजोरी होती है। यह सरल ऑपरेशन मात्र 10 मिनट में हो जाता है। ऑपरेशन के एक घंटे बाद आदमी घर जा सकता है और 72 घंटे बाद व्यक्ति अपना रोजमर्रा का कामकाज आम दिनों की तरह कर सकता है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के लिए पुरुषों को ही आगे आना चाहिए, क्योंकि पुरुषों की शारीरिक संरचना महिलाओं की अपेक्षा अधिक सरल होती है।

इनसेट ---

पखवारे में होंगी यह गतिविधियां ---

परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि मोबाइलजेशन फेज में एएनएम और आशा द्वारा पुरुष गर्भनिरोधक साधनों के प्रयोग के लिए इच्छुक दंपत्तियों की पहचान होगी। पुरुष नसबंदी के स्वीकारकर्ताओं की पहचान करते हुए उनके कार्यकाल और सहकर्मियों के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समझ का उपयोग करते हुए परिवार नियोजन में पुरुषों की भागेदारी के संबंध में जागरूकता संबंधी गतिविधियां होंगी । अभियान के दौरान पोस्टर, बैनर, पेटिंग के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

इनसेट ---

मिलती है प्रोत्साहन राशि ---

जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी एस अस्थाना - ने बताया कि पुरुष नसबंदी करवाने वाले व्यक्ति की उम्र 60 साल से कम होनी चाहिए। व्यक्ति शादीशुदा होना चाहिए और एक बच्चा होना जरूरी है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी अधिक रखी गई है। नसबंदी करवाने पर पुरुष लाभार्थी को 3,000 रुपया मिलता है वहीं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 400 रुपया मिलता है। वहीं महिला लाभार्थी को 2,000 रुपया और प्रेरक को 300 रुपया की प्रोत्साहन राशि मिलती है।

सरोजनी नगर विधानसभा से विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बृद्ध श्रद्धालुओं को अयोध्या राम लला के दर्शन कराए

द अचीवर टाइम्स रघुनाथ सिंह

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर विधानसभा के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से सोमवार को 17वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा को ग्राम सकरा से संचालित किया गया। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं से भरी बस अयोध्या के लिए रवाना हुई। पूरी यात्रा के दौरान लगातार भक्ति गीत और भजनों को सुना कर श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग से सराबोर रखा गया। साथ ही उन्हें विधायक के विकास कार्यों से संबंधित वीडियो भी दिखाई गई। उपस्थिति वालंटियर्स ने सभी वृद्धजनों के खाने-पीने से लेकर हर प्रकार की सुविधा का ध्यान रखा। अयोध्या पहुंचने के उपरांत वृद्धजनों की सुविधा के लिए उन्हें ऑटो से मंदिर स्थल तक ले जाया गया। मंदिर पहुंचकर सभी ने रामलला के दर्शन किए और मंदिर निर्माण कार्य देखा। वापसी में सभी को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट की गई। डॉ. राजेश्वर सिंह की रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा की प्रशंसा करते हुए वृद्धजनों ने कहा कि आज तीर्थ यात्रा करके उन्हें काफी खुशी की अनुभूति हुई। उन्होंनें डॉ. राजेश्वर सिंह की बुजुर्गों के लिए इस पहल के लिए धन्यवाद दिया, वहीं उनकी काफी प्रशंसा भी की। बता दें कि इस पूरी यात्रा का व्यय विधायक की ओर से ही किया जाता है। इससे पहले रामरथ के माध्यम से जैती खेड़ा, पिपरसंड, हाइडल चौराहा वृद्धाश्रम, कृष्णा लोक कॉलोनी, हसनपुर खेवली, खुर्रमपुर, नानमऊ, खटोला, बेंती, नटकुर, खांडेदेव, हिंदू खेड़ा, बरकताबाद, गोड़वा और सैदपुर पुरही से श्रद्धालुओं को ले जाकर अयोध्या दर्शन करवाया जा चुका है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान वृद्धाश्रम के वृद्धजनों को नैमिषारण्य तीर्थ के दर्शन करवाए गये हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा के लिए यह यात्रा अनवरत जारी है। वृद्धजनों की सेवा करना, उनके सपनों को पूरा करना हमारा कर्तव्य है, वृद्धजनों को ती?र्थयात्रा कराना मेरे लिए सौभाग्यपूर्ण है। उनकी खुशी और आशीर्वाद से ही जीवन में सफलता प्राप्त होती है और सार्थकता सिद्ध होती है। वृद्धजनों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य और उनके चेहरे की मुस्कान सबसे अनमोल है।अब तक हजारों की संख्या में सरोजनीनगर के वृद्धजन, माताएं-बहनें तीर्थ यात्रा कर चुके हैं।

एक नज़र

मछरेहटा क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई युवक की हत्या

द अचीवर टाइम्स सुधांशु अवस्थी

सीतापुर। मछरेहटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत भदेभर ग्राम पंचायत के मजरा बेहड़ निवासी पृथ्वी पाल पुत्र गोकर्ण लाल उम्र लगभग 39 वर्ष जो सुबह गन्ने के खेत में मजदूरी करने गए थे वापस गां यहव आते समय गांव में ही सुंदर लाल रसिया ने पुरानी रंजिश के चलते अपने दरवाजे पर ही धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे पृथ्वी पाल गंभीर रूप से घायल हो गए परिजनों के द्वारा जानकारी प्राप्त होते हैं आनन फानन में एंबुलेंस से मछरेहटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैं लाकर भर्ती कराया गया जहां पर उनकी मृत्यु हो गई डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया मृतक की पत्नी रेनू देवी ने बताया पुराने रंजिश के चलते हमारे पति की हत्या कर दी गई तथा यह भी बताया कि हमारे पति की हत्या करते समय पुरे गांव के आदमी वहां पर खड़े थे लेकिन किसी ने भी मेरे पति को नहीं बचाया।

छठ पूजा के अवसर पर संकटा देवी मंदिर पर लगा भक्तों का ताता

द अचीवर टाइम्स सुशील अवस्थी

महमूदाबाद सीतापुर। आज मां संकटा देवी धाम में छठ मैया की पूजा के पावन पर्व पर मंदिर परिसर में बने सरोवर में स्नान कर हजारों श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को अर्घ देकर सुख समृद्धि की कामना की इस मौके पर भाजपा नेता मोहन प्रसाद बारी डॉ सुधाकर तिवारी जी मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश बाजपेयी कृतार्थ मिश्र शिवम विक्रांत गुप्ता एवं भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे स्थानीय पुलिस प्रशासन का भी सहयोग रहा ।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैठक संपन्न

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली । मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व श्री तरुण सक्सेना, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली के दिशा-निर्देशन में 09 दिसम्बर 2023 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु आज बैंकों में लम्बित प्री-लिटिगेशनस्तर के मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आहूत की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिला जज/नोडल अधिकारी लोक अदालत विद्याभूषण पाण्डेय के द्वारा की गयी। नोडल अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित शाखा प्रबन्धकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमाशंकर कहार, बैंक आफ बड़ौदा, बड़ौदा यू0पी0 ग्रामीण बैंक व भारतीय स्टेट बैंक रायबरेली के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह दिवस मनाया गया

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला हरदोई। सहकार भारती द्वारा 70 वाँ आखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह (14 नवम्बर से 20 नवम्बर के अवसर प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र का आयोजन निकट चौपाल में किया गया। मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक हरदोई के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने अपने विचार प्रकट किए। जिला अध्यक्ष वेकटेश्वर पाण्डेय ने स्वागत किया। एवं सहकार भारती के लखनऊ मंडल संयोजक अमित दीक्षित ने उद्देश्य व कार्ययोजना पर प्रकाश डाला । सहकार भारती पैक्स प्रकोष्ठ के जिला प्रमुख उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता व महेश महेश मिश्रा के संचालन मे विचार गोष्ठी सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सुरेश कुमार जिला मंत्री, महेन्द्र यादव, राजकुमार यादव, प्रदीप कुमार, कमलाकान्त, राहुल मिश्रा, सिद्वान्त ठाकुर, वैभव सिंह चंदेल आदि उपस्थित रहें।

हेल्थ एटीएम की सेहत खराब, 11 में सात बंद

बाराबंकी। गांव के लोगों को जांच कराने के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े, इसके लिए निकट के सरकारी अस्पतालों में 11 हेल्थ एटीएम लगाए गए, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते सात हेल्थ एटीएम कई दिनों से खराब पड़े हैं। लोगों की सेहत जांचने वाले इन हेल्थ एटीएम की ही सेहत बिगड़ गई है। इससे यहां पर जांच कराने के लिए आने वाले लोग निजी पैथोलॉजी पर पहुंचकर महंगे दामों पर जांच कराने को मजबूर हैं। जिले के जिन 11 अस्पतालों में हेल्थ एटीएम लगाए गए हैं, उनमें सीएचसी फतेहपुर, सूरतगंज, रामनगर, सिरौलीगौसपुर, बनीकोडर, टिकैतनगर, बड़ागांव हैदरगढ़, कोठी तथा पीएचसी त्रिलोकपुर और बड्डुपुर के हेल्थ एटीएम लगे है। इनमें से सात खराब पड़े हैं। प्रभारी सीएमओ डॉ. डीके श्रीवास्तव का कहना है कि कुछ एटीएम तकनीकी खराबी की वजह से काम नहीं कर रहे हैं। उनको सही कराने के लिए कंपनियों को लिखा गया है।

70वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह का समापन

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। जिला सहकारी बैंक उन्नाव के तत्वावधान में 14 से 20 नवंबर तक चलाए जा रहे 70 में अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह के समापन अवसर पर सोमवार को जिला सहकारी बैंक स्थित सभागार में सहकार से समृद्धि के संदर्भ में सहकारी घोषित आयोजन किया गया जिला सहकारी बैंक स्थित सभागार में आयोजित गोष्ठी में जिला सहकारी बैंक का अध्यक्ष अरुण सिंह पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष निदेशक डीसीडीएफ बालेंद्र प्रताप सिंह निर्देशक प्रतिनिधि वीरपाल सिंह सरकार भारती के राष्ट्रीय संयोजक राज दत्त पांडे मत्स्य प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रमुख कैलाश निषाद रमेश लोधी एडवोकेट फ्रॉम समग्र गंगा परिवार के श्रीकांत जी एवं अनिल शुक्ला मंडल अध्यक्ष फतेहपुर 84 निदेशक श्री भीलपल सिंह जी एवं राम बौद्ध शुक्ला जी समाजसेवी दिनेश सिंह अर्जुन मऊ राम अवध सिंह इटकूटी सहित सहकारिता परिवार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भाजपा सरकार में अधिकारी कर रहे मनमानी

द अचीवर टाइम्स सुधांशु अवस्थी

मिश्रिख सीतापुर। भारतीय किसान यूनियन मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राम राखन एवं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रामलली पाल के द्वारा बताया गया आज उप जिलाधिकारी मिश्रिख से वार्ता हुई जिसमें बताया गया गरीबों के प्रति ठोस निर्णय न लेने के बजाय गरीबों को धमकाने का काम कर रहे जैसे कि ग्राम उत्तर धोना में बंजर भूमि गाटा संख्या 672 में अवैध कब्जा करवाना तथा हरिजन आवासीय पट्टे में बुलडोजर चलवा कर मार्ग अवरुद्ध करवा दिया इसके संबंध में कल 21 तारीख को जिला अधिकारी महोदय से आगे मुलाकात कर रणनीति तय की जाएगी यदि समस्या का समाधान न हुआ तो प्रशासन को सूचित कर अनिश्चितकालीन धरना जिला स्तर पर दिया जाएगा इससे साफ जाहिर होता है यूनियन के नेता उप जिलाधिकारी के आश्वासन से सन्तुष्ट नहीं है प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बताया कि भाजपा सरकार में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं गरीबों को न्याय दिलाने के बजाय गरीबों को धमका कर मामले को दबाने का कार्य कर रहे हैं वार्ता में उप जिला अधिकारी महोदय मिश्रिख ने बताया कि प्रधान को पत्ता करने का अधिकार प्रधान का नहीं रहा रसीद कटी वह गलत है यह पावर उप जिलाधिकारी को किसने दिया संगठन जानकारी चाह रहा है की प्रधान ने जो पत्ता किया वह किसकी अनुमति से किया गया उप जिला अधिकारी इन पत्तों को अवैध बता रहे हैं ऐसा यूनियन के नेता राम राखन खन का कहना है।

प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली तरुण सक्सेना के दिशा-निर्देशन में 09 दिसंबर 2023 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। आम जनमानस के मध्य राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से आये प्रचार-प्रसार वाहन को मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश तरुण सक्सेना द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम सतीश कुमार त्रिपाठी, त्रिपुरारी मिश्रा, प्रभात कुमार यादव, नोडल अधिकारी लोक अदालत विद्याभूषण पाण्डेय, अपर जिला जज राकेश कुमार तिवारी, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमाशंकर कहार, अपर जिला जज विमल त्रिपाठी, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव, पैनल अधिवक्ता विनोद कुमार, पराविधिक स्वयं सेवक मनोज कुमार प्रजापति, राहुल कुमार, बबलू शंकर, राजकमल, पवन कुमार श्रीवास्तव, राहुल, सौम्या मिश्रा, सरिता त्रिपाठी, अमिता गुप्ता, मिथिलेश, दीपशिखा व पूनम सिंह उपस्थित रही।

विकास के नाम पर आसू बहाता उन्नाव जिम्मेदार अनजान

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। जहां एक तरफ़ प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार प्रदेश के विकास कार्यों को दुगनी रफ्तार देकर प्रदेश के कायाकल्प को बदलकर भारत में एक अलग स्थान दिलाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं, वही दूसरी तरफ उन्नाव के कुछ तथ्य जमीनी सच्चाई इस प्रकार बया करती है मानो हम प्रदेश में हैं ही नहीं, हां मामला ही कुछ ऐसे हैं जगह से संबंध रखता है। बड़ा चौराहा (उन्नाव शहर का सबसे व्यस्त क्षेत्र) जहां का मार्ग उन्नाव के कई सरकारी भवनों का संपर्क मार्ग है(न्यायालय ,कचहरी, एसपी ऑफिस, डीएम ऑफिस आदि) जहां पर आमजन अपनी समस्या का समाधान करवाने की आश में जाते हैं, राहों के हाल खस्ता होने के कारण पीड़ित की समस्या का निदान हो या ना हो पर पहुंचते पहुंचते वह और परेशान हो जाता है क्योंकि छोटा चौराहा के समीप से लेकर बड़े चौराहा तक की मार्ग पर डामर रोड के साथ-साथ रोड पर ही कई जगह काफी बड़े-बड़े गड्ढे हैं और छोटे-मोटे डेंट की तो बात ही छोड़ दीजिए, कई जगहों पर तो पानी भरे छोटे मोटे कुएं भी मिल जायेंगे। शहर को स्वच्छ बनाने के नाम पर आमजन की जान के साथ खेल मामला हरदोई पुल के समीप का है यह मार्ग दिन हो या रात हमेशा व्यस्त रहता है क्योंकि इस रास्ते से छोटे-मोटे वाहन (साइकिल ,मोटरसाइकिल, कार) तो निकलते ही निकलते हैं साथ में उनसे अत्यधिक मात्रा में भारी वाहन ट्रक डीसीएम आदि निकलते हैं जिसके चलते ही यह मार्ग बहुत अधिक व्यस्त रहता है बावजूद उसके में रोड पर ही कूड़ा फेंकने का स्थान नगर पालिका द्वारा बनाया गया है जिसके चलते क्षेत्रीय (आस पास)लोग कूड़ा मजबूरी में वहीं पर फेंकते हैं जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा कूड़ा उठाने का ना तो कोई टाइम फिक्स है और ना कुछ जिसके चलते आवारा पशु भी अपना पेट भरने के लिए उस कूड़ेदान में कुछ ना कुछ ढूंढा करते हैं हालात की स्थिति समझकर आप खुद समझ सकते हैं की कब कितना बड़ा हादसा कैसे हो जाए कुछ नहीं पता बावजूद इसके जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। बहुचर्चित स्थान पर पहुंचने हेतु यह मार्ग अपनी अहम भूमिका निभाता है जिसके चलते जिम्मेदारों का भी ध्यान इसकी तरफ जाता होगा परंतु जानकर भी जिम्मेदार क्यों है अनजान

टीम इंडिया के खिलाड़ियों के आंसू नहीं देख सका फैन हार के सदमे से हुई मौत

द अचीवर टाइम्स, निर्मल सैनी/ निखिल मिश्रा

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम की हार के सदमे से राजधानी लखनऊ रहीमाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत रहटा गांव में एक सत्तर वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई।वर्ल्ड कप फाइनल मैच में टीम इंडिया को हारता देख वृद्ध को होने लगी घबराहट। अस्पताल ले जाने के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि 19 नवंबर , दिन रविवार, ये दिन और ये तारीख न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए एक कभी न भूलने वाला दिन बन गया पिछले 4 सालों से हर किक्रेट प्रेमी इस दिन का इंतजार कर रहा था। वर्ल्ड कप में भारत की हार ने करोड़ों लोगों के दिल को चकनाचूर कर दिया। उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।कई लोग अभी भी भारत की इस हार के सदमे से बाहर नहीं निकल सके हैं। वहीं एक शख्स ऐसा भी था कि टीम इंडिया की हार ने उसे दुनिया से ही रुखसत कर दिया।जैसे-जैसे भारत हार की तरफ एक एक कदम बढ़ रहा था।रहीमाबाद थाना क्षेत्र रहटा के श्री राम गुप्ता की सांसें भी उसका साथ छोड़ रही थीं। दरअसल भारत की हार ने श्रीराम गुप्ता नाम के शख्स पर ऐसा असर डाला कि वो हार का सदमा सहन नहीं कर पाया और उसने दम तोड़ दिया। अचानक हुए इस हादसे से हर कोई दंग रह गया।चारों तरफ सन्नाटा पसर गया। किसी को समझ नहीं आया कि एक पल में ये क्या हो गया।

परिवार में छाया मातम

श्री राम गुप्ता के परिजन आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल लेकर गए,जहां डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया लखनऊ ले जाते समय श्री राम ने दम तोड़ दिया।मृतक परिजन सन्न रह गए। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि कुछ देर पहले जो शख्स उनके साथ बैठक कर मैच देख रहा था एक झटके में उसकी मौत हो गई श्रीराम के परिवार में पत्नी मालती गुप्ता सहित दो बेटे मनोज गुप्ता व सरोज गुप्ता हैं,सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पर्यावरण संरक्षण का किया गया अभ्यास

द अचीवर टाइम्स रियासत अली

मोहम्मदी खीरी। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि (अवध प्रान्त) का अभ्यास वर्ग 18 व 19 नवम्बर को आयोजित किया गया। जिसमें विभाग संयोजक कुमुद मिश्रा ने दीप प्रज्जवलन कर वर्ग का शुभारम्भ किया। जिला संघ संचालक अमित भसीन ने व्यवस्था व बैठक के विषय में अपने विचार रखे। जिला संयोजक रोहित कुमार मिश्रा ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। वही जिला धार्मिक संस्थान प्रमुख कैलाश बाजपेई ने धर्म जागरण पर अपने विचार रखे। विभाग के संयोज कुमुद मिश्रा ने कचरा प्रबन्धन पर गहनता से विचार रखते हुए मार्गदर्शन किया। एनजीओ प्रमुख विशम्भर नाथ ने पर्यावरण में एनजीओ के महत्व के बारे बताया। सह जिला संयोजक सीतापुर बनवारी लाल ने व्यक्तित्व विकास के बारे में अपने विचार रखे। समापन सत्र में प्रांत संयोजक विष्णु दत्त दीक्षित ने पर्यावरण संरक्षण गतिविधियो के विभिन्न आयोमों व कार्य पद्धति पर गहनता से अपना मार्ग दर्शन सभी कार्यकर्ताओ को प्रदान किया। कार्यक्रम में अमित कुशवाहा, गौरव मिश्रा, विष्णु सिंह, हर्षित, जितेन्द्र, रणधीर, लखन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में नगर प्रचारक अभिषेक, मदन, आनन्द सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 दिलीप श्रीवास्तव ने किया।

भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ निकाली निशान यात्रा

टिकैतनगर (बाराबंकी)। खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर निशान यात्रा ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली गई। श्याम भक्त हाथों में ध्वजाएं और महिलाएं केसरिया परिधान में श्याम भजन गाते हुए चल रही थीं। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। निशान यात्रा में खाटू श्याम के जयकारों से नगर का माहौल श्याममय हो गया।कार्यक्रम स्थल पर अनुष्ठान होते रहे तथा शाम को श्याम की ज्योति जलाई गई, जिसमें भक्तों ने श्याम भजन व पूजन किया। बाबा श्याम को इत्र से स्नान करवाकर गुलाब, चंपा, चमेली सहित अनेक प्रकार के फूलों के बने गजरों से सजाया गया। मेवा-मिश्री मिठाई और केक काटकर बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया गया। भजन संध्या में भजन गायक बंकू ने गाया खाटू वाले श्याम जी कमाल हो गया, बंदा तेरा बाबा मालामाल हो गया। कुमार शानू ने गाया सच्चा है दरबार तुम्हारा संकट काटो श्याम हमारा...। श्री खाटू श्याम की झांकियां दिखाई गईं। इससे पहले चेयरमैन जगदीश प्रसाद गुप्ता ने आरती व पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने को 21 से शुरू होगा एनएसवी पखवारा

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी पखवारा (एनएसवी पखवारा) का आयोजन दो चरणों में 21 नवम्बर से चार दिसम्बर के मध्य किया जाएगा। इस दौरान प्रजनन स्वास्थ्य को देखते हुए पुरुष नसबंदी के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। यह अभियान ÷स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा÷ थीम पर दो चरणों में चलेगा। प्रथम चरण में मोबिलाइजेशन फेज 21 नवंबर से 27 नवंबर तक द्वितीय चरण में सेवा प्रदायगी फेज 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक पुरुषों की भागीदारी से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सीएमओ डॉ. रोहताश कुमार ने बताया कि प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए पुरुषों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रजनन स्वास्थ्य के दृष्टिगत पुरुष नसबंदी बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक मामूली शल्य प्रक्रिया है और महिला नसबंदी की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित है। पुरुष नसबंदी के लिए न्यूनतम संसाधनों एवं बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि एनएसवी विधि के द्वारा किए जाने वाली पुरुष नसबंदी में न तो चीरा लगता है, न टांका लगता है और न ही पुरुष की पौरुष क्षमता में कमी या कमजोरी होती है। यह सरल ऑपरेशन मात्र 10 मिनट में हो जाता है। ऑपरेशन के एक घंटे बाद आदमी घर जा सकता है और 72 घंटे बाद व्यक्ति अपना रोजमर्रा का कामकाज आम दिनों की तरह कर सकता है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के लिए पुरुषों को ही आगे आना चाहिए, क्योंकि पुरुषों की शारीरिक संरचना महिलाओं की अपेक्षा अधिक सरल होती है। पखवारे में होंगी यह गतिविधियां परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल पंकज ने बताया कि मोबाइलजेशन फेज में एएनएम और आशा द्वारा पुरुष गर्भनिरोधक साधनों के प्रयोग के लिए इच्छुक दंपत्तियों की पहचान होगी। पुरुष नसबंदी के स्वीकारकर्ताओं की पहचान करते हुए उनके कार्यकाल और सहकर्मियों के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समझ का उपयोग करते हुए परिवार नियोजन में पुरुषों की भागेदारी के संबंध में जागरूकता संबंधी गतिविधियां होंगी । अभियान के दौरान पोस्टर, बैनर, पेटिंग के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

इनसेट
मिलती है प्रोत्साहन राशि

नोडल अधिकारी ने बताया कि पुरुष नसबंदी करवाने वाले व्यक्ति की उम्र 60 साल से कम होनी चाहिए। व्यक्ति शादीशुदा होना चाहिए और एक बच्चा होना जरूरी है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी अधिक रखी गई है। नसबंदी करवाने पर पुरुष लाभार्थी को 3,000 रुपया मिलता है वहीं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 400 रुपया मिलता है। वहीं महिला लाभार्थी को 2,000 रुपया और प्रेरक को 300 रुपया की प्रोत्साहन राशि मिलती है।

देव दीपावली पर काशी घूमने का है प्लान, जानिए कहां खड़ी करेंगे गाड़ी?

संवाददाता

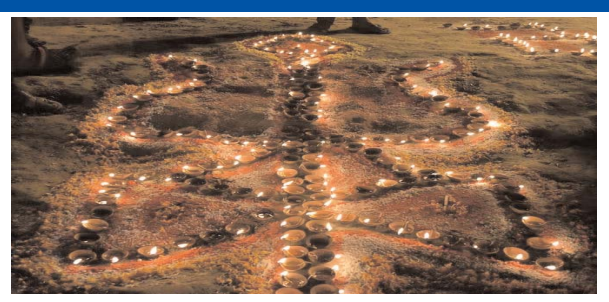

वाराणसी। महापर्व छठ सकुशल संपन्न होते ही कमिश्नरेट की पुलिस देव दीपावली के आयोजन की तैयारियों में जुट गई है। 27 नवंबर को काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर पांच लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं और सैलानियों का हुजूम उमड़ेगा। इसके मद्देनजर भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था संबंधी तैयारियों को मूर्त रूप दे दिया गया है। कमिश्नरेट के अफसरों की मीटिंग में तय हुआ है कि शहर में 31 स्थान पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन का काम ट्रैफिक पुलिस और नागरिक पुलिस 54 प्वाइंट से करेगी। अफसरों का दावा है कि व्यवस्था ऐसी की जा रही है कि आमजन सहूलियत के साथ गंगा घाटों तक जाएं। उत्साह के साथ देव दीपावली के उत्सव का लुत्फ उठाने के बाद बगैर किसी दिक्कत के अपने गंतव्य को वापस लौट जाएं।

यहां रहेगी वाहन पार्किंग की व्यवस्था

सूजाबाद पुलिस चौकी के सामने, चौकाघाट पुलिस चौकी के दाएं/बाएं, सर्व सेवा संघ भवन का खाली मैदान, बेनिया बाग, मजदा सिनेमा, गोदौलिया, सनातन धर्म इंटर कॉलेज, जयनारायण इंटर कॉलेज, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज, काशी विद्यापीठ, रामलीला मैदान लकड़मंडी, नटराज सिनेमा सिगरा, एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज, रवींद्रपुरी में सड़क के दोनों ओर की पटरी, गर्ल्स हिंदू कॉलेज कमच्छा, सामने घाट पश्चिमी स्कूल के बगल में, सामने घाट पश्चिमी सनबीम स्कूल के बगल में, नरिया से हैदराबाद गेट रोड पर, नगवा चौराहा, संत रविदास गेट, संत रविदास गेट से हनुमान मंदिर तिराहा, बैंक ऑफ बड़ौदा तिराहा (रविदास गेट से आगे), रवींद्रपुरी-शिवाला कूड़ा घर मोड़, होटल ब्राडवे तिराहा, अग्रवाल तिराहा शिवाला, आशापुर फ्लाईओवर से हवेलिया तिराहा तक सड़क के दोनों ओर, कटिंग मेमोरियल स्कूल (छोटा/बड़ा), सेंट मेरी स्कूल कैंटोनमेंट के सामने की सड़क, एफसीआई गोदाम के पास, भास्करा पोखरा।

21 जगह लगाए जाएंगे बैरियर

देव दीपावली के मद्देनजर रामनगर, आदमपुर, कोतवाली, चौक, दशाश्वमेध, लक्सा और भेलूपुर थाना क्षेत्र में 21 जगह बैरियर लगाए जाएंगे। इसके अलावा देव दीपावली के दिन चांदपुर चौराहा, आजमगढ़ अंडरपास, तरना पुल और आशापुर ओवरब्रिज पूर्वी से शहर की ओर रोडवेज या प्राइवेट बसें नहीं आने दी जाएंगी।

नौ जोन और 11 सेक्टर में बांट कर घाटों पर सुरक्षा का प्रबंध

देव दीपावली के मद्देनजर काशी के 84 गंगा घाटों को नौ जोन, 11 सेक्टर और 32 सब सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था का खाका खींचा गया है। अत्यधिक भीड़ वाले घाटों पर क्यूआरटी की 20 टीम तैनात रहेंगी।

एक नज़र

व्यास जी के तहखाने को डीएम के सुपुर्दगी में देने के मामले में सुनवाई टली

वाराणसी। ज्ञानवापी स्थित व्यास जी की गद्दी डीएम को सुपुर्दगी के मामले में सुनवाई को एक दिन के लिए टाल दिया गया है। अब इस मामले में सुनवाई 21 नवंबर को होगी। जिला जज की अदालत में ज्ञानवापी स्थित व्यास जी की गद्दी डीएम को सुपुर्दगी के मामले में सुनवाई एक अधिवक्ता आतुल गोस्वामी के निधन के कारण टल गई है। अब 21 नवंबर को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। इस बीच इस ममले में विश्वनाथ मंदिर मामले के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी के. पक्षकार बनने के आवेदन पर शैलेन्द्र पाठक ने आपत्ति कोर्ट में दाखिल की है। जानकारी के लिए बता दें कि शैलेंद्र कुमार पाठक व्यास ने बीते 25 सितंबर को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी का तहखाना जिलाधिकारी को सौंपने के लिए सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में वाद दाखिल किया था। वाद में कहा गया है कि व्यासजी का तहखाना वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में रहा। वर्ष 1993 के बाद प्रदेश सरकार के आदेश से तहखाने की ओर बैरिकेडिंग कर दी गई। वर्तमान में नंदीजी के सामने स्थित व्यासजी के तहखाने का दरवाजा खुला हुआ है। ऐसी परिस्थिति में अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी तहखाने पर कब्जा कर सकती है। इसलिए व्यासजी का तहखाना डीएम की सुपुर्दगी में दे दिया जाए।

हादसे में बाइक सवार घायल, ग्रामीणों ने गोरखपुर-वाराणसी हाइवे जाम किया

बेलीपार (गोरखपुर)। बेलीपार इलाके के बिस्टौली बुजुर्ग गांव के सामने एक बाइक सवार के घायल होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार की शाम में गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन जाम कर दिया। शाम छह बजे के करीब सड़क पर उतरे ग्रामीणों को हटाने में पुलिस को 45 मिनट लग गए। ग्रामीणों का कहना था कि निर्माण के दौरान कोई रिफलेक्टर या संकेतक नहीं लगाए जाने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। जाम की वजह से करीब दो किलोमीटर तक गाड़ियों की कतार लगी रही। सोमवार को कौड़ीराम का एक युवक बाइक से जा रहा था, कार की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे की जानकारी के बाद ग्रामीण सड़क पर आ गए। ग्रामीणों का कहना था कि एक सप्ताह से सड़क मरम्मत का कार्य चल रहा है। मरम्मत वाली जगह के दोनों तरफ बड़े-बड़े बोल्डर लगाए गए हैं, लेकिन सड़क बंद होने का कोई बोर्ड अथवा रेडियम स्टीकर नहीं लगा है। इससे राहगीर घायल हो रहे हैं। दिवाली से एक दिन भीटी गांव के एक व्यक्ति कि दुर्घटना में मौत हो गई थी जबकि कौड़ीराम, बड़हलगंज, डवरपार, कसिहार आदि के करीब 23 लोग दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। आरोप है कि एनएचएआई के टोल फ्री नंबर पर शिकायत के बावजूद कोई व्यवस्था नहीं की गई। बाद में पहुंची पुलिस ने अधिकारियों से बातचीत की और समाधान का आश्वासन देकर जाम खत्म कराकर आवागमन शुरू कराया।

जाम में परेशान रहे लोग

पादरी बाजार निवासी कार सवार अश्वनी श्रीवास्तव ने बताया कि जरूरी काम से शहर पहुंचने की जल्दी थी लेकिन जाम में काफी समय लग गया। रुस्तमपुर निवासी प्रांजल पांडेय ने कहा कि जाम लगा तो सोचा कि दूसरी लेन से निकल जाऊं, लेकिन आगे जाने पर फंस गया। जाम लगाए लोगों का आक्रोश देखकर लगा कि लोग मारपीट भी कर सकते हैं। किसी तरह से जाम खत्म हुआ तो निकल सका।

चिट फंड कंपनी खोलकर ठगी, पांच पर केस दर्ज

गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के घघसरा बाजार निवासी रामकेश शर्मा, उसके बेटे अरुण कुमार, अनिल शर्मा, अनूप शर्मा और अरुण की पत्नी शकुंतला ने लखनऊ में यूनाइटेड इंडिया ग्रुप ऑफ कंपनीज कारपोरेट ऑफिस खोलकर ठगी की है। चिट फंड कंपनी खोलकर लोगों से लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर रामगढ़ताल पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि जालसाजी में कंपनी के सीएमडी, उसकी बहू और बेटे शामिल हैं। बेलीपार थानाक्षेत्र के मेहरौली निवासी दिनेश सिंह ने केस दर्ज कराया है। आरोप है कि सहजनवां थाना क्षेत्र के घघसरा बाजार निवासी रामकेश शर्मा, उसके बेटे अरुण कुमार, अनिल शर्मा, अनूप शर्मा और अरुण की पत्नी शकुंतला ने लखनऊ में यूनाइटेड इंडिया ग्रुप ऑफ कंपनीज कारपोरेट ऑफिस खोलकर ठगी की है। कंपनी के एजेंट ने दिनेश से संपर्क कर एग्रो प्रोडक्ट के कृषि सुरक्षा योजना में एक हजार रुपये प्रतिमाह पांच साल तक किस्त जमा करने के 11 अगस्त 2014 को खाता खुलवाया। इसकी स्कीम वैल्यू 60 हजार रुपये और क्रेडिट वैल्यू 84 हजार बताकर कंपनी के बेतियाहाता सेवा केंद्र, दूबे कांप्लेक्स से खाता प्रमाण पत्र जारी किया। दिनेश ने खाते में 31 सितंबर 2017 तक 38 हजार रुपये जमा किए। इसके बाद आरोपियों ने यूनाइटेड इंडिया मेगा प्रोजेक्ट लिमिटेड, यूनाइटेड इंडिया एग्रो कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और ट्रिनिटी मल्टी स्टेट को-आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड नाम की कंपनियां खोलकर गोरखपुर में संचालन शुरू किया। इसमें फिक्स डिपाजिट सहित अन्य योजनाओं में धन जमा कराया। बाद में मालूम हुआ कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय से बैंकिंग व्यवसाय करने व जमाकर्ताओं से रुपयों के लेनदेन का कोई लाइसेंस कंपनी के सीएमडी सहित अन्य लोगों को नहीं मिला है। नोट बदली के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय व सेवा केंद्र बंद कर दिए गए।

मिशन महिला शक्ति के अंतर्गत हुआ कार्यक्रम

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। बालिकाओं को कैसे अपनी सुचिता सुरक्षा निर्धारित की जाए इसके लिए आज विद्यालय प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन जिला महिला कल्याण अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन हुआ। इछनापुर स्थित लालता प्रसाद धर विद्यापीठ इण्टर कॉलेज में महिला सुरक्षा कार्यक्रम में बालिकाओं को कैसे अपनी सुरक्षा की जा सके इस हेतु महिला कल्याण विभाग से आयीं प्रियंका पांडेय जी ने बालिकाओं को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि जब कभी आप अकेले हो और कुछ न हो तो कैसे पेन, सेफ्टी पिन, कंघी या कड़े को ही हथियार बना लो और कस कर सामने से वार करें और जितना तेज आप चिल्ला सकती हैं अपने बचाव में चिल्लाएं। इसी कड़ी जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के यहाँ से पधारे शेषमणि ने छात्रों को बताया कि जितनी सुरक्षा महिलाओं का काम है उससे अधिक जिम्मेदारी बालकों और पुरुषों की भी है कि वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वही सुरसा पशु चिकित्साधिकारी डॉ शालिनी पांडेय ने बालिकाओं को कैसे 1090 का प्रयोग किया जाए और बालिकाओं का हो रहे शोषण से बचाया जा सके बेहतर ढंग से बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय भाजपा समर्थन मंच जिलाध्यक्ष कृष्ण गोपाल अवस्थी, वरिष्ठ जिलाउपाध्यक्ष श्रवण दीक्षित, कुलदीप शर्मा, मनोज ने बच्चों की सुरक्षा सुचिता के बारे बच्चों से रूबरू हुए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक विशंभर नाथ मिश्र ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य नृपेन्द्र नाथ मिश्र ने आये हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय परिवार से बैकुंठ नारायण, देवेंद्र नाथ पांडेय, पुत्तीलाल वर्मा, आकाश चंद्र, अविनाश चंद्र, रामकुमार, बृजेश, कन्हैया, विपिन, आशा में रेनू त्रिवेदी, ओमशांति आदि लोग उपस्थित रही।

डेंगू से पीड़ित मरीज की अस्पताल में गिरकर घायल, हुई मौत

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर खीरी फरधान। क्षेत्र डेंगू का प्रकोप थम नहीं रहा है। डेंगू पीड़ितों को सरकारी अस्पताल में इलाज न मिलने पर निजी अस्पताल में इलाज करा रहे है। जिसके चलते सीएचसी फरधान क्षेत्र के गांव मूड़ाबुजुर्ग में डेंगू बुखार से पीड़ित रामकिशोर की मौत हो गई। बताया जा रहा वह लखीमपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच और उपचार का दावा कर रहे है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान क्षेत्र के गांव मूड़ाबुजुर्ग निवासी रामकिशोर कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। प्राइवेट जांच करने पर उन्हें डेंगू बुखार निकला। रामकिशोर 16 नवंबर को लखीमपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में डेंगू बुखार का इलाज कर रहे थे। शनिवार की देर रात उनके पास कोई परिजन नहीं था। वह बेड से उतरकर नीचे आने प्रयास कर रहे थे। जिसके चलते वह लड़खड़ाकर गिर गए जिससे उनके सर पर गंभीर चोटें लग गई। अस्पताल के डॉक्टर ने रात भर इलाज करने के बाद रविवार की दोपहर बाद हालात नाजुक बताकर लखनऊ रेफर कर दिया था। परिजन इलाज के लिए लखनऊ ले गए जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित बाजपेई ने बताया उनकी जानकारी में उनके क्षेत्र में कोई भी डेंगू का मरीज नहीं है। प्राइवेट जांच कराने वालों का डेटा उनके पास नहीं होता है। जानकारी मिली है कल मूड़ाबुजुर्ग गांव में टीम भेजकर जांच कराई जाएगी

मघईटोला स्थित कान्हा गौशाला में गोपाष्टमी कार्यक्रम का आयोजित किया गया महापौर अर्चना वर्मा द्वारा गौ पूजन किया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान, शाहजहांपुर। नगर निगम द्वारा मघईटोला स्थित कान्हा गौशाला में गोपाष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में माननीय महापौर अर्चना वर्मा द्वारा गौ पूजन किया गया तथा गौवंशों को गुड़, चना इत्यादि खिलाकर गौ सेवा की गई। इसके उपरांत माननीय महापौर महोदया द्वारा प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय महापौर महोदय के अतिरिक्त अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक हरिवंश दीक्षित, सहायक अभियंता जलकल प्रेम चन्द्र आर्य व अवर अभियंता जलकल सूरज प्रजापति के अतिरिक्त गजेंद्र गंगवार, आलोक मिश्रा, गौशाला के केयरटेकर गौरव अग्निहोत्री तथा गौसेवक उपस्थित रहे।

मोबाइल फोन पर चैटिंग देख भड़का था तीसरा व्यक्ति,बाद में हुआ बवाल

संवाददाता

बस्ती। पीड़ित महिला अधिकारी ने रविवार देर रात एक्स पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें आरोप लगाया है कि उनके सहकर्मी ने सरकारी आवास में उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास और हत्या की कोशिश की है। तहरीर देने के 24 घंटे बाद बड़ी मुश्किल से एफआईआर दर्ज की गई।

नायब तहसीलदार पर दुष्कर्म का प्रयास और हत्या की कोशिश का मामला उलझ गया है। महिला अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी में दिलचस्पी न दिखाना सवाल खड़ा कर रहा है। इन सबके बीच घटनाक्रम में तीसरे शख्स की मौजूदगी को लेकर चर्चाएं भी तेज हैं। प्रशासन मानकर चल रहा है कि केस में अन्य पहलू हैं, जो अभी सामने नहीं आए हैं। इसके लिए जांच कराई जा रही है। एसडीएम सदर गुलाबचंद्र ने भी बताया कि मामला त्रिकोणीय लग रहा है, लेकिन ज्यादा कुछ बताने के बजाय वह पुलिस की जांच रिपोर्ट सामने आने की बात कहकर टाल गए। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि सीओ के नेतृत्व में गठित टीम की रिपोर्ट आने का इंतजार है। इसमें सभी पक्षों के बयान पूरे नहीं हो पाए हैं।

उधर, विभागीय चर्चाओं के मुताबिक बलरामपुर जिले में तैनाती के दौरान उतरौला का रहने वाला एक व्यक्ति महिला अधिकारी के संपर्क आया था। बतौर प्राइवेट कर्मचारी वह तहसील में काम करता था। बस्ती जिले में तबादले के बाद भी महिला अफसर के संपर्क में रहा। बताया जाता है कि वह दिवाली की रात घटना के समय मौजूद था। उसने जब महिला अधिकारी के मोबाइल फोन पर आरोपी नायब तहसीलदार के बीच हुए व्हाट्स एप चैट को देखा तो भड़क गया। इसके बाद उसने महिला अधिकारी के मोबाइल फोन से संबंधित अधिकारी को कॉल कर अभद्रता की। बातचीत इतनी आगे बढ़ गई कि आरोपी अफसर भी तैश में आकर महिला अधिकारी के घर में घुस गए। इसी के बाद मारपीट व अन्य घटनाएं हुईं। हालांकि, प्रशासनिक अमला अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। मगर, पुलिस इन बिंदुओं पर गोपनीय ढंग से छानबीन कर रही है।

जांच के नाम पर लीपापोती कर रहा प्रशासन - एमएलसी

एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस व प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पीड़ित महिला अधिकारी जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्या बताना चाहती थी, लेकिन उन्होंने उनसे मिलने से इन्कार कर दिया। यहां तक कहा कि फर्जी जांच रिपोर्ट बनवाई जा रही है। एमएलसी के अनुसार कानून के अनुसार पीड़िता का न्यायालय में बयान देने के बाद गिरफ्तारी की जानी चाहिए थी, लेकिन जांच और साक्ष्य एकत्र करने के बहाने लीपापोती की जा रही है।

कई स्पेशल ट्रेनों में खाली हैं सीटें

गोरखपुर। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए रविवार की शाम तक रिक्त सीटों की सूची जारी की है। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इन विशेष गाड़ियों में यात्री अपनी सीटें अभी बुककर लें तो यात्रा सुगम हो सकती है। दिवाली और छठ पूजा के बाद दिल्ली, मुंबई आदि जगहों पर जाने वाले यात्रियों को अभी भी स्पेशल ट्रेनों में आरक्षित सीट मिल सकती है। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए रविवार की शाम तक रिक्त सीटों की सूची जारी की है। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इन विशेष गाड़ियों में यात्री अपनी सीटें अभी बुककर लें तो यात्रा सुगम हो सकती है।

इन ट्रेनों में रिक्त हैं सीटें

गोरखपुर से 24 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05005 गोरखपुर-अमृतसर विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 11 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 35 सीट उपलब्ध है। छपरा से 29 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05115 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19 बर्थ उपलब्ध है।

गोरखपुर से 24 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05082 गोरखपुर-कामाख्या विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 278 सीट उपलब्ध है। गोमतीनगर से 23 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05068 गोमतीनगर-मालतीपटपुर (निकट पुरी) विशेष गाड़ी के शयनयान श्रेणी में 136 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 131 सीट उपलब्ध है। गोमतीनगर से 30 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05068 गोमतीनगर-मालतीपटपुर (निकट पुरी) विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 03 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 121, शयनयान श्रेणी में 414 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 158 सीट उपलब्ध है।

गोरखपुर से 29 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05065 गोरखपुर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी के वातानुकूलित तृतीय एकोनामी श्रेणी में 1243 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से 28 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05069 गोरखपुर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 56 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 449 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 181 सीट उपलब्ध है।

गोमतीनगर से 23 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05071 गोमतीनगर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 41 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 318 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 161 सीट उपलब्ध है।

गोमतीनगर से 30 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05071 गोमतीनगर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 474 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 145 बर्थ एवं द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 281 सीट उपलब्ध है।

छपरा से 25 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05159 छपरा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी के चेयरकार में 1206 सीट उपलब्ध है।

गोमतीनगर से 23 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05080 गोमतीनगर-हावड़ा विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 209 सीट उपलब्ध है।

गोमतीनगर से 30 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05080 गोमतीनगर-हावड़ा विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 603 सीट उपलब्ध है।

छपरा से 21 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05315 छपरा-दिल्ली विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 251 सीट उपलब्ध है।

छपरा से 24 नवंबर को प्रस्थान करने वाली 05315 छपरा-दिल्ली विशेष गाड़ी के द्वितीय श्रेणी चेयरकार में 756 सीट उपलब्ध है।

ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। माल क्रिकेट प्रेमी भाईयो के लिए पुनः द्वितीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का सुभारंभ नौबस्ता में टिल्ला (जिंदबाबा) पर हुआ। आयोजक जिला पंचायत सदस्य रेनू भारती एवं रामचरन भास्कर जी के द्वारा फीता काटकर सुभारंभ किया गया। और राष्ट्रगान कराकर प्रतियोगिता की शुरुआत कराई। ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता में नियम एवं शर्तो के अनुसार दो पालियों का आरंभ हुआ। जिसमे प्रथम पाली में भदवाना (शिवपुरी वॉरियर्स) 1ह्य हुसैनपुर से हुई। जिसमे हुसैनपुर की टीम विजय हुई। दूसरी पाली में नौबस्ता सालेहनगर 1ह्य आंट गढ़ी सौरा से हुई जिसमे आन्ट गढ़ी सौरा की टीम विजय हुई। ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता में अनेको दर्शक ग्रामवासी तथा क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मालदीव में बदलाव और भारत, सत्ता परिवर्तन के बाद कूटनीतिक चतुराई से कदम बढ़ाने की दरकार

शपथ ग्रहण समारोह में मुइज्जू ने कूटनीतिक तरीकों से भारतीय सैनिकों को हटाने की बात दोहराई है, जिसे मालदीव में भारत की स्थिति कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि उनके राजनीतिक सलाहकार ने हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा में किसी बाहरी ताकत की भूमिका न होने देने पर जोर दिया है। हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के मोहम्मद सोलिह को हराने के बाद संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार मोहम्मद मुइज्जू ने अब मालदीव के नए राष्ट्रपति की भूमिका संभाल ली है। मालदीव में सत्ता परिवर्तन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश भू-राजनीतिक लिहाज से अहम बन गया है। माना जाता है कि नई सरकार ऐसी नीतियां अपनाएंगी, जो पिछली सरकार से बिल्कुल अलग होंगी। इसका क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए इस क्षेत्र की एक प्रमुख ताकत भारत ने मालदीव के नए राष्ट्रपति का सावधानी पूर्वक स्वागत किया है। मोहम्मद मुइज्जू के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए भारत की चिंता बढ़ गई है। जब अब्दुल्ला यामीन राष्ट्रपति थे, तब मुइज्जू उनकी सरकार में आवास और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री थे। उस दौरान मालदीव पर चीन का व्यापक प्रभाव देखा गया था। तब चीन के हितों को देखते हुए फैसले लिए गए, जिससे विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू हुई और मालदीव चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) में शामिल हो गया। बाद में आई सोलिह सरकार ने न सिर्फ चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौते से परहेज किया, बल्कि मालदीव में चीन के विवादास्पद संयुक्त महासागर निगरानी केंद्र की योजना से भी पल्ला झाड़ लिया। यामीन का सबसे विवादास्पद निर्णय द्वीपों को विदेशी देशों को बेचना था। ऐसी आशंका थी कि चीन इन द्वीपों का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए करेगा। इससे मालदीव की संप्रभुता से समझौता होने की चिंता बढ़ गई। सौभाग्य से, यामीन अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके, क्योंकि उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। विडंबना देखिए कि जिस यामीन ने मालदीव की संप्रभुता का सम्मान नहीं किया, उसी ने उसकी रक्षा के नाम पर कथित तौर पर 'इंडिया आउट' अभियान चलाया। यामीन ने झूठा दावा किया कि मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों ने वहां के लोगों की राष्ट्रवादी भावनाओं का लाभ उठाकर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल दिया है। यामीन के %इंडिया आउट% अभियान के समर्थक मुइज्जू ने इसका चुनावी लाभ उठाया, क्योंकि जेल में होने के कारण यामीन राष्ट्रपति का चुनाव नहीं लड़ सकते थे। चीन से मुइज्जू की निकटता पिछले साल उनके दौरे से स्पष्ट हो गई थी, जब उन्होंने अपने गठबंधन के सत्ता में आने की स्थिति में द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की संभावना जताई थी। इसलिए हैरानी नहीं कि मुइज्जू के चुनाव जीतते ही चीनी राजदूत ने तुरंत उन्हें बधाई दी। यामीन और मुइज्जू की चीन के प्रति निकटता को देखते हुए हाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव को कई लोगों ने भारत और चीन की भूमिकाओं पर जनमत संग्रह के रूप में देखा था। चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जू ने मालदीव में भारतीय सैनिकों की मौजूदगी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत-मालदीव के बीच द्विपक्षीय व्यापार भारत के पक्ष में है। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कई बार दोहराया कि पद संभालने के पहले दिन से ही वह भारतीय सैनिकों की वापसी के लिए कदम उठाना चाहते हैं। कार्यभार संभालने से पहले ही उन्होंने भारतीय उच्चायुक्त के साथ इस पर चर्चा की और भारत से मालदीव के ऋण का पुनर्गठन करने की इच्छा व्यक्त की थी। इस समय भारत मालदीव में करीब 45 बुनियादी परियोजनाओं में शामिल है, जिनमें से पेयजल एवं स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों की कुछ परियोजनाएं सीधे मालदीव के लोगों को लाभ पहुंचा रही हैं। %ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट% जैसी परियोजनाओं का उद्देश्य पड़ोसी द्वीपों को राजधानी माले से जोड़ना है। हालांकि मुइज्जू ने इस बात की पुष्टि की है कि वह पहले से चल रही भारतीय परियोजनाओं को बाधित नहीं करेंगे, लेकिन अपने इस नजरिये में संभावित विरोधाभास दिखाते हुए उन्होंने समीक्षा का संकेत दिया है। यामीन के राष्ट्रपति काल में जीएमआर जैसी परियोजनाओं को 27 करोड़ डॉलर के मुआवजे के भुगतान के बाद भी अचानक रद्द कर दिया गया था। मुइज्जू ने अब तक केवल ऋण पुनर्भुगतान पर फिर से बातचीत की मांग की है, लेकिन भारतीय परियोजनाओं में कोई भी बाधा द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है। एक दूसरी संभावित चिंता मुइज्जू का सलाफी विचारधारा से करीबी जुड़ाव है, जो द्विपक्षीय रिश्तों के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है। आईएस लड़ाकों में शामिल होने की बढ़ती संख्या के साथ मालदीव में मजहबी कट्टरवाद का उदय लंबे समय से एक मुद्दा रहा है। वास्तव में सोलिह सरकार द्वारा कट्टरवाद के साथ सावधान रवैया ही एमडीपी में विभाजन का एक प्रमुख कारण था। भारतीय सैनिकों की तैनाती को राजनीतिक मुद्दा बनाने वाले यामीन के साथ मुइज्जू का जुड़ाव वास्तव में भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को और जटिल ही बनाने वाला है। मालदीव के विशाल समुद्री क्षेत्र को देखते हुए स्वतंत्र रूप से इसकी सुरक्षा मालदीव के लिए चुनौतीपूर्ण रही है और भारत को ऐतिहासिक रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने वाले देश के रूप में देखा गया है। वर्ष 2004 की सुनामी और हालिया पेयजल संकट के दौरान सबसे पहले भारत ने ही मालदीव में मदद का हाथ बढ़ाया था। दोनों देशों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। मालदीव के लोग अक्सर चिकित्सा के लिए भारत आते हैं और भारतीय शिक्षक एवं डॉक्टर मालदीव के स्कूलों एवं अस्पतालों में कार्य कर रहे हैं। अतीत में मालदीव ने संतुलित कूटनीतिक रुख अपनाया, लेकिन यामीन की सरकार के दौरान यह अपनी राह से भटक गया। इससे चीन को हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव और बढ़ाने में मदद मिली। अपने शपथ ग्रहण समारोह में मुइज्जू ने फिर दोहराया कि वह कूटनीतिक तरीकों से भारतीय सैनिकों को हटा देंगे। कुछ लोग इसे मुइज्जू द्वारा मालदीव में भारत की स्थिति को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखते हैं। हालांकि उनके राजनीतिक सलाहकार मोहम्मद हुसैन शरीफ ने पद संभालने के बाद पहली बार भारत आने की परंपरा का सम्मान करने और हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा में किसी बाहरी ताकत की भूमिका नहीं होने देने पर जोर दिया है। ऐसे में देखना होगा कि कार्यभार संभालने के बाद मुइज्जू का रुख क्या रहने वाला है।

आज दिल जीते हैं, कल फिर कप जीतेंगे।

-डॉ सत्यवान सौरभ

कप जितने से बड़ी बात दिल जीतना होता है। क्रिकेट खत्म नही हो गया। 46 दिन में 45 दिन आप जीते हो। हमारी भारतीय टीम ने 2023 वर्ल्ड कप के अंदर 10 मैच जीते और आज फाइनल हारने पर 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का दिल टूटा है। ऐसे हम दो कप जीत चुके। 2027 में फिर मेहनत करेंगे और हम जीतेंगे। हार जीत तो लगी रहती है। लेकिन पूरे वर्ल्ड कप में इण्डियन टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। फाइनल में हम नहीं जीत पाये कोई बात नहीं। फिर आगे जीतेंगे। मोहब्बत तुम्हारे लिए नीली टी-शर्ट वाले लड़को। ये दिल हर बार ब्लू-ब्वायज़ के लिए ही धड़केगा। निरंतर बेहतरीन खेल दिखाने वाली हमारी भारत टीम को ढेरों बधाइयाँ। आपने लगातार शानदार खेल खेलकर उत्साह और उमंग के साथ भारत को आगे बढ़ाया। हम अपने खिलाड़ियों को रोते हुए नहीं देख सकते। रोकें ये आंसू। खेल में एक टीम जीतती है, दूसरी हारती है। आज भारतीय टीम का दिन नहीं था। कल हमारा दिन फिर से लौटेगा। आज हारे तो क्या हुआ? हारा तो पिछली बार ऑस्ट्रेलिया भी था। फिर आने वाले वर्ल्ड कप में हम अच्छी तैयारी करेंगे। सिर्फ एक हार से अब ठान लो, आगे अब हर बार इसका इंतकाम लेंगे। यह शिकस्त बहुत कुछ सीखा गई। धीरज रखो, हमारी टीम बहुत बहादुर है। आप प्रण करो अब हम किसी से किसी भी कीमत पर निपट लेंगे। कल फिर जीतेंगे। सफलता सार्वजनिक उत्सव है, जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक। यह बात थॉमस जेफरसन ने लिखी थी। इसलिए कैप्टन आंसू नहीं, यह जज़्बात है, निकल जाने दीजिए, बह जाने दीजिए, उस कश्मकश को, कई वर्षों तक आपको और मुझे टीसती रहेगी, सुना है साथ में रोना, दिल को हल्के करने जैसा होता है, लेकिन याद रखना, पूरा देश आपके साथ है, करोड़ों हाथो की दुआएं, आपके साथ रहेंगी, लेकिन यह सच है, पराजय में जय छुपी हुई है, जितना खेले शानदार खेले, फाइनल का दिन, सबके लिए बुरा था। बहुत बुरा लेकिन याद रखना कल फिर सुबह होगी। एक नई सुबह, नई रोशनियां। हम सबका फिर से इंतजार करेंगी। कुछ देर बाद फिर उम्मीदें लगाई जाएंगी, फिर तालिया बजेंगी, शोर होगा, यह तो धर्म है। यही खेल है। क्रिकेट भी वही, जिसका दिन अच्छा, उसकी जीत। जिसका दिन बुरा उसकी पराजय। फिर एक दिन आएगा, जब हम जीतेंगे। कप जितने से बड़ी बात दिल जीतना होता है। क्रिकेट खत्म नही हो गया। 46 दिन में 45 दिन आप जीते हो। हमारी भारतीय टीम ने 2023 वर्ल्ड कप के अंदर 10 मैच जीते और आज फाइनल हारने पर 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का दिल टूटा है। ऐसे हम दो कप जीत चुके। 2027 में फिर मेहनत करेंगे और हम जीतेंगे। मैच से पूर्व हमारे कप्तान साहब ने कांफ्रेंस में कहा था की एक गलती हमें भारी पड़ सकती है और फाइनल में गलती करी शुभमन गिल ने और दूसरी गलती श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव ने। आज हारे तो क्या हुआ? हारा तो पिछली बार ऑस्ट्रेलिया भी था। फिर भी आने वाले वर्ल्ड कप में अच्छी हम तैयारी करेंगे। सिर्फ एक हार से अब ठान लो। आगे अब हर बार इसका इंतकाम लेंगे। टीम में दो तीन ऑलराउंडर रखो। अपनी मनोस्थिति पर और दबाव पर काबू रखना सीखो। भौकाल से बचो। इस दर्द ने 20 साल पुराना जख्म कुरेद तो दिया लेकिन यह शिकस्त बहुत कुछ सीखा गई। धीरज रखो, हमारी टीम बहुत बहादुर है। आप प्रण करो अब हम किसी से किसी भी कीमत पर निपट लेंगे। कल फिर जीतेंगे। हार जीत तो लगी रहती है। लेकिन पूरे वर्ल्ड कप में इण्डियन टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। फाइनल में हम नहीं जीत पाये कोई बात नहीं। फिर आगे जीतेंगे।। मोहब्बत तुम्हारे लिए नीली टी-शर्ट वाले लड़को। ये दिल हर बार ब्लू-ब्वायज़ के लिए ही धड़केगा। सेमीफाइनल तक भारत का हुआ बहुत नाम लेकिन क्या ये सही हैं कि हार गये है फाइनल, चलो करते हैं बदनाम। सुख के ही साथी बनना सही नहीं हैं। कभी कोई टीम को कोस रहा है, कभी कोई स्टेडियम मे पहुंचे मेहमानो को। सच्चे भारतीय हो तो कोसना बंद करो और अपने देश और टीम के साथ खडे रहो। फाइनल हार गये। इस बात का दुख पूरे देश को है। लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा दुख हुआ हमें अपने खिलाडियों को रोते हुवे देख कर। हार जीत तो मुकद्दर की बात है। होती रहती है। कोई हारता है तो कोई जीतता है। इसमें आप अपना दिल छोटा मत करिये। निराश मत होइए। देश हर हाल में आपके साथ है। देश जीत में भी साथ था, हार में भी साथ है। आप देश की आन-बान-शान हो। देश को आप पर गर्व है। सभी प्लेयर बहुत अच्छा खेले। पिछले सारे मैच में बहुत शानदार सफर तय किया है। आपका ये उम्दा प्रदर्शन क्रिकेट जगत के सुनहरे पन्नों में हमेशा दर्ज रहेगा। आप मैच हारे हैं, हिम्मत मत हारना। हम वक़्त का इंतज़ार करेंगे। अगली बार वर्ल्ड कप ज़रूर जीतेंगे। सच मे-

क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं।

संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही।।

कभी 'मंज़िल' रह जाती है दूर बस एक क़दम।

पर शिखर तक पहुँचना भी कहाँ होता है कम।।

सबसे बड़ी जीत खेल भावना की होती है। निरंतर बेहतरीन खेल दिखाने वाली हमारी भारत की टीम को ढेरों बधाइयाँ। आपने लगातार भारत को शानदार खेल खेलकर उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ाया। हम अपने खिलाड़ियों को रोते हुए नहीं देख सकते। रोकें ये आंसू। खेल में एक टीम जीतती है, दूसरी हारती है। आज भारतीय टीम का दिन नहीं था। कल हमारा दिन फिर से लौटेगा। क्या हुआ जो एक मैच हार गए। अभी सब कुछ नहीं हारे हैं, विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम का अभूतपूर्व प्रदर्शन, इच्छा शक्ति, खेल का जुनून और जज़्बा आगे कायम रहना चाहिए। शर्मा जी के नेतृत्व में अगली बार दुनिया जीतेंगे। हार-जीत खेल का हिस्सा है। मायने ये रखता है कि आपने अपने हिस्से का खेल पूरे दिल से खेला या नहीं। अब जब टीम हार गई है तो लोग ट्रोल करने लगे हैं और आगे भी करेंगे लेकिन मुझे पता है खिलाड़ियों पर क्या गुज़र रही होगी। खोट निकालेंगे खेल में लेकिन मेरा दिल पसीज रहा है, ये सब देखकर। दुआ है सभी प्यारे नीली टी-शर्ट वालों के लिए, आपके इस वर्ल्ड-कप के सफ़र को दुनिया याद रखेगी। आज नहीं, हम कल जीतेंगे, विश्व विजेता बनेंगे, हम इण्डियन टीम के साथ हैं। जिस टीम का सब कुछ अच्छा हो और हार जाये ऐसा केवल खेल मे होता है। टीम इंडिया फाइनल हारी है टीम मजबूत नहीं रहती तो फाइनल मे नहीं पहुँचती। दिल दुखी है लेकिन हौसला मजबूत है। इस समय पूरे देश को इन खिलाडियों का साथ देना चाहिए। तभी मन को सहारा मिलेगा। क्रिकेट विश्व कप-2023 में अपने शानदार प्रदर्शन से आप सभी ने करोड़ों खेल प्रेमियों का दिल जीता है। आज हारे कल फिर जीतेंगे। भारतीय क्रिकेट टीम पर पूरे देश को गर्व है।

आंसू बहाने के बजाय ऑस्ट्रेलिया से बड़े मैच जीतने की कला सीखें भारतीय खिलाड़ी

इस वर्ल्ड कप में लगातार 10 मैच जीतने वाली भारतीय टीम को बड़े फाइनल जीतने की कला सीखनी होगी। अहमदाबाद में भी भारतीय खेमे से कई चुक हुई और वर्ल्ड कप हाथ से फिसल गया। **अंतत:** ऑस्ट्रेलिया ने क्रिकेट वर्ल्ड कप-2023 अपने नाम कर भारत का विजय रथ थाम दिया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के मायूस होते हुए छलके आंसू के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इस वर्ल्ड कप में लगातार 10 मैच जीतने वाली भारतीय टीम को बड़े फाइनल जीतने की कला सीखनी होगी। अहमदाबाद में भी भारतीय खेमे से कई चुक हुई और वर्ल्ड कप हाथ से फिसल गया। भारत ने मैच में यह पांच गलतियां न दोहराई होतीं तो नतीजा कुछ और होता। पहला, कप्तान रोहित शर्मा बेहतरीन फॉर्म में दिख रहे थे। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल के ओवर में लगातार दो गेंदों पर 10 रन बनाए, जिसमें एक चौका और छक्का शामिल है, लेकिन यहां वो धैर्य खो बैठे। एक और छक्के के प्रयास में ट्रेविस हेड के एक बेहतरीन कैच द्वारा आउट हो गए। यदि रोहित शर्मा थोड़ा सा धैर्य रखते तो निश्चित रूप से मैच की स्थिति कुछ और हो सकती थी। दूसरा, इस वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में भी भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ था। शुरुआत में 2 रन के स्कोर पर भारत ने तीन विकेट गंवा दिए थे और मैच को विराट कोहली और के.एल. राहुल ने संभाला था। इस बार भी इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही पूरा भार आ गया था, लेकिन विकेट बचाए रखने के चक्कर में दोनों जरूरत से ज्यादा धीमा खेले। पूरा दबाव टीम पर आ गया। एक खराब शॉट खेलते हुए विराट कोहली आउट हो गए और टीम लड़खड़ा गई। मिडिल ऑर्डर की नाकामी भारत को भारी पड़ी, क्योंकि बीच के ओवर्स में भारत ने कोई खास स्कोर नहीं बनाया। जहां 10.2 ओवर में भारत का स्कोर 81 रन था, वहीं 35.5 ओवर में यह 178 रन ही बना, यानी भारत ने 25 ओवरों में 100 रन भी नहीं जोड़े। तीसरा, भारत की फील्डिंग बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद पर ही डेविड वार्नर के बल्ले से गेंद लगकर स्लिप में गई थी, लेकिन फर्स्ट स्लिप पर खड़े विराट कोहली उसे देखते रह गए, जबकि उन्हें कैच की कोशिश करनी चाहिए थी। यदि पहली गेंद पर विकेट गिर जाता तो ऑस्ट्रेलिया भारी दबाव में आ जाती। विकेट कीपिंग भी बेहद खराब रही। के.एल. राहुल पूरे मैच के दौरान आसान से अवसर छोड़कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर कार्ड बढ़ते रहे। बाय के रनों की बदौलत ही ऑस्ट्रेलिया को एक मनोवैज्ञानिक लाभ मिला और भारत ने एक्स्ट्रा में 18 रन दे दिए। चौथा, पूरे टूर्नामेंट में जिस शक्तिशाली गेंदबाजी के भरोसे भारत जीतता आ रहा था, वो सेमीफाइनल के बाद फाइनल में भी फुस्स साबित हुई। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय स्पिनरों की पोल खुली थी और वो 20 ओवर में एक विकेट ही ले पाए थे। कुछ यही कहानी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हुई। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 20 ओवर कराए और दोनों को कोई सफलता नहीं मिली। दोनों ने 20 ओवर में 99 रन दे दिए। रविंद्र जडेजा या कुलदीप यादव की जगह यहां आर. अश्विन को खिलाया जाना चाहिए था। खासकर कुलदीप यादव को बदलकर आर. अश्विन को खिलाया जा सकता था, क्योंकि अश्विन एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। पांचवां, भारतीय टीम को आगामी टूर्नामेंट में मानसिक रूप से मजबूत रहने और बड़े अवसरों पर कैसे जीता जाता है? यह कला ऑस्ट्रेलिया से सीखने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया छठी बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है। यदि आईसीसी टूर्नामेंट के पिछले 10 साल देखे जाएं तो भारत 2014 में टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल हारा, 2015 में वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हारा, 2019 में वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2019-20 में टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारा, 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज पर हारा, 2022 में टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारा, 2021-23 में टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारा और अब वर्ल्ड कप फाइनल हार गया। खास बात यह है कि इस साल टेस्ट चैंपियनशिप भी ऑस्ट्रेलिया ने जीती और वर्ल्ड कप का फाइनल भी जीता। घर में इतना बड़ा टूर्नामेंट हारना निश्चित रूप से भारतीय प्रशंसकों को खल रहा है, लेकिन खेल को खेल भावना से ही लिया जाना चाहिए। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि भारत वर्ल्ड कप फाइनल की गलतियों से सीखेगा और भविष्य में वर्ल्ड कप घर लेकर आएगा।

क्रिकेट में हार मीडिया को भी गहरे आत्ममंथन की जरूरत है

इस समूचे विश्वकप टूर्नामेंट में और खासकर फाइनल के पहले भारत की जीत को लेकर मीडिया, खासकर इलेक्ट्रॉनिक-सोशल मीडिया में जिस तरह का भयंकर हाइप और उन्माद भड़काने कोशिश की गई, उससे उनकी टीआरपी और हिट्स भले बढ़े हों, भारतीय क्रिकेट टीम पर इतना नकारात्मक दबाव बन गया कि वो फाइनल में ठीक से खेल ही नहीं सके। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि फाइनल मैच में भारत की हार मात्र दो-चार रन अथवा एक-दो विकेट से नहीं, पूरे छह विकेट से हुई। पूरे मैच के दौरान कहीं महसूस नहीं हुआ कि भारतीय टीम ने विश्वकप ट्रॉफी कब्जाने के लिए जी जान लगा दी हो। पूरा मैच लगभग एकतरफा ही लगा। टॉस हारने के बाद मैच जीतने को लेकर भारत की वैकल्पिक रणनीति क्या थी, वह भी नजर नहीं आई। ऐसा महसूस हो रहा था मानो टूर्नामेंट के अंतिम निर्णायक मैच में बल्लेबाज गेंदबाजों के और गेंदबाज, बल्लेबाजों के भरोसे बैठे थे तथा फील्डिंग के मामले में खिलाड़ियों को उनकी मर्जी पर छोड़ दिया गया था। बेशक लगभग हाथ आई विश्वकप ट्रॉफी के यूं अचानक छिन जाने का गम भारतीय क्रिकेट टीम और क्रिकेट प्रेमियों को बरसों सताता रहेगा। इस हार के बाद टीम रोहित के सदस्यों की आंखों से आंसू छलक पड़े तो यह स्वाभाविक ही था, क्योंकि इस अकेले मैच ने टीम के अब तक के किए कराए पर पानी फेर दिया था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि क्या इस वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की जीत को लेकर देशभर में चार दिनों से जो मीडिया हाइप बनाया जा रहा था, वह कितना वास्तविक और जायज था?

बाजारवादी दबाव का दिखा असर

यह सही है कि बाजारवाद के जमाने में आज हर इंवेट का बाजार पक्ष पहले देखा जाता है, लेकिन इससे इंवेट से जुड़े मूल कारकों पर कितना नकारात्मक असर होता है, इस बारे में शायद ही कोई सोचता है। इसमें मीडिया भी शामिल है। बेशक भारतीय क्रिकेट टीम ने फाइनल में कुछ रणनीतिक गलतियां कीं, इसीलिए हारे, लेकिन टीम नेतृत्व के सही निर्णय और खिलाड़ियों के अपने स्वाभाविक खेल से भटकने के पीछे वजह हर हाल में जीत हासिल करने का वह कृत्रिम दबाव भी है, जिसकी कतई जरूरत नहीं थी। जीत के नगाड़े सचमुच जीत हासिल करने के बाद भी बजाए जा सकते थे। पता नहीं सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड पर धमाकेदार जीत के बाद भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के सदस्यों ने टीवी चैनलों को कितनी बार देखा होगा, सोशल मीडिया पर कितनी बार क्लिक किया होगा, किया भी होगा या नहीं। इस दौरान क्या- क्या नहीं हुआ? खिलाड़ियों के घर परिवार वालों को खंगाला गया, पूजा, हवन, दुआएं करवाई गई। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के गेट से लेकर जहां खिलाड़ी ठहरे थे, उस होटल से निकलने वाली गाड़ियों के लाइव कवरेज से लेकर नीली जर्सी पहने हर शख्स को भारतीय टीम के हरकारे के रूप में पेश करने की कोशिशें हुईं। पूरे कवरेज में टीवी एंकरों की अदा यूं थी कि मानो विश्व कप की ट्रॉफी का पार्सल भारतीय कप्तान के नाम आ चुका है, बस ऑनलाइन पेंमेंट की जरूरत है।पुराने दिग्गज खिलाड़ियों से बार-बार एक ही सवाल किया जा रहा था कि कौन जीतेगा, जिसका उत्तर भी लगभग प्रायोजित था।

मीडिया का अजीबो-गरीब प्रस्तुतिकरण

एक बड़े न्यूज चैनल ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को देने तक की तैयारी कर ली थी तो कुछ ने क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत को भारत के विश्व गुरू बनने और इस जीत के राजनीतिक समीकरणों को बताने का खाका भी तैयार कर लिया था, दुर्भाग्य से वैसी नौबत ही नहीं आई। कुछ अखबारों ने इस क्रिकेट मैच को 'धर्मयुद्ध' और 'विश्व विजय' की संज्ञा तक दे डाली (बावजूद इस सच्चाई के कि दुनिया में क्रिकेट सिर्फ एक दर्जन देश ही खेलते हैं और फुटबाल 195 देशों में खेला जाता है, जिसमें विश्वस्तर पर हम कहीं नहीं हैं)। मीडिया के लगभग हर फार्मेट में ऑस्ट्रेलिया से बदला लेने के लिए भारतीय टीम को उसी तरह उकसाया जा रहा था, जैसे कि आंतकी हमले का बदला पाकिस्तान को सबक सिखाने के रूप में लेने की बात की जाती है। टीवी चैनलों की हर संभव कोशिश यही थी कि दर्शक की उंगली रिमोट के उसी बटन पर रहे, जो उस चैनल का नंबर है। सोशल मीडिया इस मामले में सबसे आगे था। कुछ अति उत्साही यूजरों ने यह सिद्ध करने की भी कोशिश की कि वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का दिल्ली में सत्तासीन राजनीतिक दल का कैसे सीधा सम्बन्ध है। इसमें वो साल गिनाए गए, जब भारत आईसीसी टूर्नामेंट जीता और उस वक्त दिल्ली में किस पार्टी की सरकार थी। राजनीतिक विचारधारा और सत्तासीनता का क्रिकेट में भारत के परफार्मेंस से कोई सीधा रिश्ता हो। दरअसल इस तरह का उन्माद पैदा करना और जमीनी हकीकत को दरकिनार करना झूठ के स्वर्ग में जीने की कोशिश करना भी एक तरह सामूहिक मानसिक रोग है। इसकी एक झलक फाइनल मैच में भी उस वक्त दिखाई दी जब विराट कोहली दर्शकों को और जोर से हल्ला मचाने के लिए उकसाते दिखे। विराट जैसे महान खिलाड़ी को इस बात पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए था कि हमारे खिलाड़ी अपना स्वाभाविक खेल कैसे खेलें और ऑस्ट्रेलिया के जाल से बाहर कैसे निकलें, न कि दर्शकों को ज्यादा हल्ला करने के लिए उकसाना। इसी से साबित हो गया था कि हमारे खिलाड़ियों का ध्यान खेल से ज्यादा कहीं और है तथा उन्हें जीत के लिए खुद के खेल से ज्यादा भरोसा दूसरे कारकों पर है।

फियर ऑफ फेल्योर का शिकार हुई टीम

मनोविश्लेषकों का कहना है कि भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर %फियर ऑफ फेल्योर% (हार के डर) का शिकार हुई। ऐसी मनोस्थिति में इंसान का सही रास्ते पर चलते हुए भी अपने आप पर विश्वास डगमगाने लगता है। हमारे बल्लेबाजों ने जिस लापरवाह ढंग से अपने विकेट गंवाए, फील्डरों ने बहुत सुविधाजनक फील्डिंग की, हालांकि गेंदबाजों की गेंदबाजी में कसर नहीं थी, लेकिन विकेट को पढ़ने में जो गलती शुरू में नेतृत्व से हो गई थी, उसका कोई तोड़ बॉलरों के पास नहीं था। साफ झलक रहा था कि लगभग पूरी टीम एक अदृश्य दबाव में खेल रही है, खिलाड़ी गलती पर गलती किए जा रहे हैं और अपने विश्वविजेता होने के काल्पनिक मायाजाल में भटक रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि फाइनल के दिन किस्मत भारत का साथ छोड़ चुकी थी, लेकिन इतना तो हो ही सकता था कि जीत को लेकर गैरजरूरी और हद तक घातक 'हाइप' को रोका ही जा सकता था। क्रिकेट टीम की इस मार्मिक हार से मीडिया को इतना आत्ममंथन तो करना ही चाहिए कि वह अपनी भूमिका को खेल को खेल भावना से ही खेलने देने तक ही तक ही सीमित रखे, उसे युद्धोन्माद में तब्दील करने में ईंधन का काम न करे।

प्रदेश में कार्य में सर्वाधिक पीछे रहने वाले चिन्हित 10 अधिशासी अभियन्ताओं को कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने दी सख्त चेतावनी

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिये उ0प्र0 पावर कारपोरेशन प्रबन्धन लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में अध्यक्ष डा0 आशीष कुमार गोयल स्वयं प्रदेश के ऐसे खण्डों के अधिशासी अभियन्ताओं से पूछताछ कर रहे हैं जहॉ विद्युत सम्बन्धी कार्यों एवं योजनाओं में प्रगति संतोष जनक नहीं है। अध्यक्ष ओ0टी0एस0 की प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने इसको और प्रभावी बनाने के लिये प्रतिदिन प्रदेश के सबसे पीछे रहने वाले अधिशासी अभियन्ताओं से वीडियों कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से पूछताछ करने का निर्णय लिया है। ऐसे अधिशासी अभियन्ताओं से वार्ता कर उन्हें आवश्यक निर्देश देंगे। उ0प्र0 पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डा0 आशीष गोयल ने आज एक मुस्त समाधान योजना

एवं राजस्व वसूली में बेहतर परिणाम न देने वाले अधिशाषी अभियन्ताओं को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि दिसम्बर तक ओटीएस एवं विद्युत सम्बन्धी कार्यों में सुधार दिखना चाहिए अन्यथा कार्यवाही होगी। उन्होंने वितरण के कोसी, अलीगढ़, शाहजहांपुर, हापुड़ बरेली एवं फतेहपुर के तथा लेसा, नोएडा एवं गोरखपुर के परीक्षण खण्ड के अधिशासी अभियन्ताओं से वीडियों कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से बात की। उन्होंने बताया कि कार्यों की प्रगति की लगातार मानीटरिंग की जाये। बकायेदारों से सम्पर्क किया जाये जिससे उन्हें अपना बकाया जमा करने हेतु प्रेरित किया जा सके। इसके लिये प्रतिदिन फोन एवं व्यक्तिगत सम्पर्क करें। अध्यक्ष ने बरेली -।। के मुख्य अभियन्ता, तथा शाहजहांपुर के अधीक्षण अभियन्ता तथा अधिशाषी अभियन्ताओं को कारण बताओं नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिये। नवम्बर से प्रदेश के विद्युत उपभोक्तओं के लिये एक मुस्त समाधान योजना प्रारम्भ की गयी है जोकि 31 दिसम्बर तक चलेगी। अध्यक्ष नें कहा है कि योजना का लाभ हर बकायेदार उपभोक्ता को प्राप्त हो इसके लिये व्यापक प्रचार प्रसार कराते हुये योजना को प्रभावीढ़ग से लागू करनें की व्यवस्था सुनिश्चित करें। अध्यक्ष नें उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेनें के लिये समय से पंजीकरण कराकर अपना बकाया जमा करें।

- **जनसुविधा केन्द्रों (सी0एस0सी0) पर भी ओ0टी0एस0 पंजीकरण और जमा करने की सुविधा.... उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु उ0प्र0 पावर कारपोरेषन ने जन सुविधा केन्द्रों पर भी ओ0टी0एस0 के पंजीकरण एवं बकाया बिल जमा करने की सुविधा प्रारम्भ करायी है। उपभोक्ता जनसुविधा में जा कर ये लाभ ले सकता है। ये जानकारी कॉरपोरेशन अध्यक्ष डा0 आशीश गोयल ने दी है।**
- **इसी तरह ओ0टी0एस0 योजना के अन्तर्गत निजी नलकूप संयोजनों में 31 मार्च 2023 तक के देय विद्युत बिलों में छूट देने की प्रक्रिया के अन्तर्गत सिस्टम में आ रही तकनीकी कमियों को दूर कर दिया गया है। अब उपभोक्ता पंजीकरण करा कर ओ0टी0एस0 के अन्तर्गत छूट का लाभ उठा सकता है।**

पर्यावरण की शिक्षा भावी पीढ़ी को बचपन से ही दें- स्वामी प्रेम परिवर्तन पीपल बाबा, प्रख्यात पर्यावरणविद्

संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, जॉपलिंग रोड कैम्पस द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय भूगोल ओलम्पियाड 'जियोफेस्ट इण्टरनेशनल-2023' का उद्घाटन आज सायं स्वामी प्रेम परिवर्तन पीपल बाबा, प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं संस्थापक 'गिव मी ट्रीज' ट्रस्ट, ने दीप प्रज्वलित कर सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पीपल बाबा ने कहा कि इस अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड के माध्यम से सी.एम.एस. पूरे विश्व के छात्रो व युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित कर रहा है, इसकी प्रंशसा की जानी चाहिए। श्री पीपल बाबा ने कहा कि पर्यावरण की शिक्षा भावी पीढ़ी को बचपन से ही दी जानी चाहिए, समाज को भावी पीढ़ी से बहुत अपेक्षायें हैं। 'जियोफेस्ट इण्टरनेशनल-2023' जिसमें रूस, नेपाल, आयरलैण्ड, बहरीन व भारत के लगभग 500 छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों व युवा पीढ़ी को पर्यावरण की चिन्तनीय स्थिति से रूबरू कराना हम सभी का परम दायित्य है। 'जियोफेस्ट इण्टरनेशनल-2023' की संयोजिका व सी.एम.एस. जॉपलिंग रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती शिप्रा उपाध्याय ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागी छात्रों व शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस ओलम्पियाड में प्रतिभागी छात्रों का ज्ञानवर्धन व व्यक्तित्व विकास होगा। उद्घाटन समारोह में सी.एम.एस. छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक-साँस्कृतिक कार्यक्रमों की इन्द्रधनुषी छटा के बीच हरित क्रान्ति का जोरदार आहवान किया। 'जियोफेस्ट इण्टरनेशनल-2023' में प्रतिभाग हेतु लखनऊ पधारे प्रतिभागी छात्र आज प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से मिले और दिल खोलकर अपने विचार रखे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रतिभागी छात्रों ने एक स्वर से कहा कि प्रकृति से सामन्जस्य बनाये रखने में ही मानव जाति की भलाई है।

एक नज़र

हलाला उत्पादों को लेकर छापेमारी- लखनऊ सहित यूपी के कई जिलों में हुई पड़ताल, मिले इस तरह के उत्पाद

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, आगरा, सहारनपुर, वाराणसी, गोरखपुर सहित सभी महानगरों में अभियान शुरू कर दिया गया है। ज्यादातर स्थानों पर फास्टफूड में प्रयोग होने वाली क्रीम व अन्य खाद्य पदार्थ मिले हैं। प्रदेश में हलाल प्रमाणन वाले उत्पादन पर पाबंदी लगाने के बाद सोमवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की टीम ने जांच शुरू कर दी है। लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, सहारनपुर सहित विभिन्न महानगरों में दिनभर छापे की कार्रवाई चलती रही। कई जिलों में बड़ी मात्रा में सामग्री पाई गई है, जिसका देर शाम तक आकलन करने में टीम जुटी रही। प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर हलाल प्रमाणित उत्पाद बिकने की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिए। इसके बाद प्रदेश में हलाल प्रमाणन वाले उत्पाद पर पाबंदी लगा दी गई। सिर्फ निर्यात के लिए छूट दी गई है। ऐसे में सोमवार को एफएसडीए के नेतृत्व में छापा मारा गया। लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, आगरा, सहारनपुर, वाराणसी, गोरखपुर सहित सभी महानगरों में अभियान शुरू कर दिया गया है। ज्यादातर स्थानों पर फास्टफूड में प्रयोग होने वाली क्रीम व अन्य खाद्य पदार्थ मिले हैं। जांच में लगी टीम संबंधित सामग्री को लेकर रिपोर्ट तैयार कर रही। इन सभी सामग्री को जब्त किया जाएगा। इसके बाद संबंधित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। एफएसडीए के उप आयुक्त हरिशंकर सिंह ने बताया कि कई स्थानों पर सामग्री मिली है। टीम उनका मूल्यांकन करते हुए विधिक कार्रवाई कर रही है। हर जिले में छापा मारने के लिए निरीक्षकों को निर्देश जारी किया जा चुका है।

हर जिले में संयुक्त टीम

प्रदेश के हर जिले में एफएसडीए, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई है। यह टीम शॉपिंग मॉल व विभिन्न दुकानों की जांच करेगी।

लखनऊ में दस जगह छापे

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की चार टीमों ने सोमवार को हलाल उत्पादों की बिक्री को लेकर सहारागंज समेत 10 ठिकानों पर छापमार करके स्टॉक की जांच की। हालांकि, छापामार टीम को किसी भी स्टोर में हलाल उत्पादों का स्टॉक नहीं मिला। टीम ने स्टाकिस्टों को निर्देश दिए कि हलाल उत्पादों की किसी भी हाल में बिक्री नहीं की जाएगी। जांच में बिक्री पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। एफएसडीए के सहायक आयुक्त एसपी सिंह ने बताया कि जांच का सिलसिला दोपहर 12:00 बजे से शुरु हुआ और शाम 4:00 बजे तक चला। इस दौरान टीमों ने अलग-अलग सहारा गंज, स्पेंसर, रिलायंस, अपना मार्ट, पप्पू स्टोर सहित 10 प्रतिष्ठानों पर छापामार करके स्टोरों को जांचा गया है। कहीं पर बिक्री नहीं पाई गई है। सभी जगहों पर प्रतिबंधित किया गया है।

यूपी सरकार ने आईएएस अभिषेक सिंह का इस्तीफा केंद्र को भेजा, कई फिल्मों में कर चुके हैं काम

लखनऊ। कई फिल्मों में काम कर चुके अभिषेक सिंह वर्ष 2011 बैच के आईएएस हैं और लंबी गैरहाजिरी के कारण फरवरी 2023 से निलंबित चल रहे हैं। पिछले महीने उन्होंने प्रदेश के

नियुक्ति विभाग को इस्तीफा भेजा था। प्रदेश सरकार ने चर्चित आईएएस अभिषेक सिंह का इस्तीफा स्वीकार किए जाने की अपनी संस्तुति के साथ केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को भेज दिया है। कई फिल्मों में काम कर चुके अभिषेक सिंह वर्ष 2011 बैच के आईएएस हैं और लंबी गैरहाजिरी के कारण फरवरी 2023 से निलंबित चल रहे हैं। पिछले महीने उन्होंने प्रदेश के नियुक्ति विभाग को इस्तीफा भेजा था। अभिषेक सिंह की पत्नी दुर्गा शक्ति नागपाल भी आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में बांदा की डीएम हैं। अभिषेक सिंह के जौनपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने की भी चर्चाएं समय-समय पर होती रही हैं। अभिषेक वर्ष 2015 में प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली चले गए। पांच साल बाद वापसी पर उन्हें गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रेक्षक बनाकर भेजा गया। वहां कार के आगे सेलिब्रिटी के अंदाज वाला उनका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो निर्वाचन आयोग ने 18 नवंबर 2022 को उन्हें प्रेक्षक ड्यूटी से हटा दिया। इसके बाद अभिषेक सिंह ने नियमानुसार यूपी के नियुक्ति विभाग में अपनी ज्वाइनिंग नहीं दी। राज्य सरकार ने उनके इस कृत्य को अखिल भारतीय सेवाएं (आचरण) नियमावली-1968 के नियम-3 का उल्लंघन माना और उन्हें निलंबित करते हुए राजस्व परिषद से संबद्ध कर दिया। अभिषेक सिंह ने सितंबर में निजी कारणों से आगे काम करने में असमर्थता जताते हुए अपना इस्तीफा भेजा। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, उन्हें निलंबित ही बिना बताए गैरहाजिर रहने के कारण किया गया था। अपना इस्तीफा भी उन्होंने इसी वजह से दिया है। इसलिए राज्य सरकार ने उनके इस्तीफे को स्वीकार करने की सहमति दे दी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का किया आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजाजीपुरम, लखनऊ में सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी डॉ. नेहा जैन एवं रोड सेफ्टी क्लब के संयोजन में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्राचार्य की उपस्थिति में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। उपरोक्त जागरूकता रैली में छात्राओं ने राजाजीपुरम के विभिन्न चौराहों पर एकत्रित होकर लोगों को हेलमेट का प्रयोग करने ,सीट बेल्ट लगाने, साथ ही यातायात से संबंधित नियमों की जानकारी दी। इस रैली में डॉ. पवन मौर्य, डॉ.प्रज्ञा मिश्रा, निशी मिश्रा, डॉ साधना सिंह एवं महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

सीएम योगी की मॉनिटरिंग का दिख रहा असर, एक माह में परिवहन निगम ने कमाए साढ़े 32 लाख

- **सीएम योगी के निर्देश पर अक्टूबर माह में परिवहन निगम ने चलाया चेकिंग अभियान।**
- **अभियान के दौरान एक माह में ही निगम ने कमाए 32,58,385 रुपये ।**

संवाददाता

लखनऊ। पिछली सरकारों में घाटे में चल रहे प्रदेश के विभिन्न विभागों को सरप्लस रेवेन्यू वाला विभाग बनाने के लिए योगी सरकार लगातार कदम उठा रही है। योगी सरकार की यह पहल रंग भी ला रही है। प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले जहां दर्जनों विभाग घाटे में चल रहे थे, वहीं आज वह न केवल घाटे से उबरे हैं बल्कि सरप्लस रेवेन्यू वाले विभाग बनकर उभरे हैं। इसी के तहत समय-समय पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम रेवेन्यू कलेक्शन, बिना टिकट व बुकभार यात्रा करने वालों के खिलाफ जांच अभियान चलाता रहता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रवर्तन कार्मिकों द्वारा अक्टूबर में चेकिंग की गयी, जिसमें विभाग को केवल एक माह में 32 लाख 58 हजार 385 रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ।

एक लाख से अधिक बार बसों की जांच की गयी

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रधान प्रबन्धक (कार्मिक) अशोक कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परिवहन निगम को घाटे से उबारने के लिए कई कदम उठाए गए। इससे निगम ने पिछले साढ़े छह वर्षों में काफी लाभांश अर्जित किया है। इसके लिए मुख्यालय स्तर से गठित सूमो चालाक दल एवं इन्टरसेप्टर के माध्यम से समय-समय पर परिवहन निगम की बसों की नियमित जांच की जाती है। ऐसे में अक्टूबर में परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों की 1,16,834 बार जांच की गयी। जांच के दौरान कुल 4901 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाये गये जबकि 172.4 टन बिना बुक भार पकड़ा गया है। जांच दल द्वारा की गई कार्यवाही से विभाग को 32 लाख 58 हजार 385 रुपये वसूले गये। इस दौरान 8,420 चालकों, परिचालकों का एल्कोहल टेस्ट भी किया गया।

लखनऊ में हजरतगंज के केनरा बैंक में लगी भीषण आग

मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर स्थित सत्या बिजनेस पार्क बिल्डिंग की पहली मंजिल पर सोमवार शाम आग लग गई। फाइनेंस और रियल एस्टेट कंपनी का दफ्तर जलकर राख हो गया। इस दौरान दफ्तरों में काम करने वाले करीब 30 कर्मचारी भीतर फंस गए। लखनऊ में हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर स्थित सत्या बिजनेस पार्क बिल्डिंग की पहली मंजिल पर सोमवार शाम आग लग गई। फाइनेंस और रियल एस्टेट कंपनी का दफ्तर जलकर राख हो गया। इस दौरान दफ्तरों में काम करने वाले करीब 30 कर्मचारी भीतर फंस गए। चीख पुकार मच गई। भीतर फंसे लोग खिड़की के शीशे तोड़कर बाहर छज्जे पर आए और फिर स्थानीय लोगों ने सीढ़ियां लगाकर उनको उतारा। इस दौरान कई लोग मामूली रूप से चोटिल हो गए। दमकलकर्मी करीब एक घंटे में पूरी तरह से आग पर काबू पा सके। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर केनरा बैंक का दफ्तर है। पहली मंजिल पर पूनावाला हाउसिंग लोन कंपनी व रुद्रा प्रॉपर्टी का दफ्तर है। पुलिस के मुताबिक शाम करीब छह बजे हाउसिंग लोन के दफ्तर में आग लग गई। जब तक वहां मौजूद कर्मचारी कुछ समझ पाते आग फैल गई। उससे सटे रुद्रा प्रॉपर्टी का दफ्तर भी जलने लगा। दफ्तरों के भीतर भगदड़ मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस व दमकल को सूचना दी। इस दौरान भीतर फंसे लोग खिड़की के शीशे तोड़-तोड़कर छज्जे पर आने लगे। वक्त रहते ये भी एक एक कर बाहर आ गए। उससे सटी बिल्डिंग के छज्जे पर गए। वहां से लोगों ने सीढ़ियां लगाकर उनको उतार लिया। सीएफओ मंगेश कुमार ने बताया कि किसी तरह सकी जनहानि नहीं हुई है। पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। बाकी जांच की जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग, जारी होगा नोटिस

सीएफओ ने बताया कि शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। बाकी जांच की जा रही है। वहीं बिल्डिंग से निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी किया जा रहा है। एनओसी है या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

नारी शक्ति दिवस के उपलक्ष पर खो-खो प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व मिशन शक्ति समिति के संयुक्त तत्वाधान में नारी शक्ति दिवस के उपलक्ष पर खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नवयुग कन्या डिग्री कॉलेज व गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज की मध्य मैच खेला गया, जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में नवयुग कॉलेज ने प्रथम स्थान व गुरु नानक कॉलेज ने द्वितीय स्थान 21-12 के स्कोर से प्राप्त किया। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय द्वारा मुख्य अतिथि श्रीमती लीना प्राचार्य बालिका महिला विद्यालय, अनु श्रीवास्तव को पौध भेट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण करके हुई।साथ ही इसमें महाविद्यालय की मार्शल आर्ट की छात्राओं ने आत्म सुरक्षा के प्रदर्शन का शानदार प्रदर्शन भी किया। केजीत कुनो डी संगठन के मार्शल आर्ट कोच श्री सुधीर कुमार शर्मा के संरक्षण में किया गया। अतिथियों द्वारा विजेता टीमों को पुरस्कार व आशीर्वचन दिए गए। कार्यक्रम का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सीमा पांडेय, प्रवक्ता सुश्री आयशा वहीद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के ऋषभ मिश्रा, तुषार उपस्थित रहे। मिशन शक्ति टीम की संयोजिका प्रोफेसर नीतू सिंह, डॉ मनीषा बाडौदिया, खेलकूद समिति की संयोजिका प्रोफेसर अमिता रानी सिंह, डॉ श्वेता उपाध्याय, सुश्री आयशा वाहिद उपस्थित रही। नेहा रावत व मुस्कान इस खेल के ऑफिशल्स रहे।

4200 शिक्षक-कर्मचारियों के एनपीएस का पैसा निजी बीमा कंपनियों में लगाया, एफआईआर के निर्देश

लखनऊ। शासन के निर्णय के अनुसार एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के वेतन से की गई कटौती व सरकार का अंश, निर्धारित बीमा कंपनियों में जमा करना था। लेकिन, दो दर्जन से अधिक जिलों में संबंधित कर्मियों की सहमति के बिना यह पैसा निजी बीमा कंपनियों में जमा कर दिया गया। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक (एडेड) विद्यालयों में एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के पैसे की कटौती में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। विभाग के कर्मचारियों ने अधिकारियों की मिलीभगत से 25 जिलों के 4200 से अधिक कर्मियों का पैसा नियम विरुद्ध निजी बीमा कंपनियों में जमा कर दिया। शासन ने जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्णय के अनुसार एक अप्रैल, 2005 के बाद नियुक्त/कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के वेतन से की गई कटौती व सरकार का अंश, निर्धारित बीमा कंपनियों में जमा करना था। लेकिन, दो दर्जन से अधिक जिलों में संबंधित कर्मियों की सहमति के बिना यह पैसा निजी बीमा कंपनियों में जमा कर दिया गया।

महारानी अहिल्याबाई होलकर स्कूल गोमतीनगर, लखनऊ के छात्र-छात्राओं ने रैली कर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

संवाददाता

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त यातायात ह्रदेश कुमार के निर्देशन में महारानी अहिल्याबाई होलकर स्कूल, गोमतीनगर, लखनऊ के छात्र/छात्राओं द्वारा यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें यातायात निरीक्षक बिपिन पांडेय अपने यातायात सहयोगी टीम के नेतृत्व में स्कूल परिसर विशाल खंड 4 से कैप्टन मनोज पाण्डेय चौराहे से वापस स्कूल तक मार्च करते हुए सड़क सुरक्षा सम्बन्धी तख्ती के साथ नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का आयोजन नफीस अहमद -पूर्व वार्डन सिविल डिफेंस, गोमती नगर, लखनऊ , वारिस अली खान, सज्जन अली, आशीष कुमार, आरके पांडे, मोश अलीम, वारिस अली खान - पूर्व वार्डन- सिविल डिफेंस, गोमतीनगर एवं सुरेश पाल- प्रबंधक, श्रीमती सीमा मिश्रा- प्रधानाचार्य, महारानी अहिल्याबाई होलकर स्कूल के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क लखनऊ से पंकज शर्मा, ट्रैफिक वार्डन अंशू दिक्षित एवं मारुति सुजुकी के रोड सेफ्टी कार्डिनेटर एहतेशाम तथा स्कूल के लगभग 200 से छात्र छात्रओं ने भाग लिया। सभी को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी पेम्प्लेट्स बांटे गए।

सोहावल में रालोद प्रदेश महासचिव विश्वेश नाथ मिश्र सूडडू के नेतृत्व में हुआ राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दूबे का भव्य स्वागत

संवाददाता

सोहावल अयोध्या। राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश सरकार से गन्ना का मूल्य ?400 तक कुंतल घोषित करने की मांग करता है । उक्त बातें आज अयोध्या जनपद के बीकापुर विधानसभा में सोहावल ब्लॉक के तहसीनपुर टोल प्लाजा पर एक होटल में रालोद के प्रदेश महासचिव विश्वेष नाथ मिस सुडडू मिश्रा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लोकदल के विस्तार कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं की बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रालोद के जिला अध्यक्ष बलराम यादव ने संचालन अवध क्षेत्र के अध्यक्ष चौ राम सिंह पटेल ने किया।

कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए अनिल दुबे ने बताया कि रालोद सपा के साथ मिलकर इंडिया गठबंधन का अटूट हिस्सा है आने वाले लोकसभा के चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत राष्ट्रीय लोकदल लोकसभा बारह सीटों पर अपनी तैयारी कर रही है । श्री दुबे ने कहा कि रालोद हमेशा गांव गरीब किसान की लड़ाई लड़ता रहा है । उन्होने कहा कि बीकापुर विधानसभा में राष्ट्रीय लोकदल का दबदबा रहा है जिसे अपने पुराने स्वरुप में लाया जा रहा है आने वाले दिनों में बीकापुर विधानसभा में रालोद मजबूत विकल के स्वरुप में निकलेगा इंडिया गठबंधन के बारे में बोलते हुए उन्होंने बताया कि 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा पूरी तरह से हार के कगार पर है । उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार पूर्णतया हर मुद्दे पर फेल है नौकरी रोजगार महंगाई भ्रष्टाचार और अपराध के मुद्दे पर इनसे पूछने पर यह पुनः धर्म का धंधा और मंदिर लेकर आते हैं जिससे जनता ऊब चुकी है हमारी पार्टी के साथी गांव गांव जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत जी के विचारों कोऔर रालोद की नीतियों को बताकर लोगों को जोड़े जिससे आने वाले दिनों में हम विधानसभा ही नहीं पूरे जनपद में एक मजबूत विकल्प रूप में तैयार हो सके । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव विश्वेष नाथ मिश्रा सुडडू मिश्रा ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और धन्यवाद दिया तथा लोगों से विधानसभा में अपने पुराने साथियों को पुनः जोड़ने जे लिए एक रणनीति बनाकर काम करने का आवाहन किया अवध क्षेत्र के अध्यक्ष चौ रामसिंह पटेल ने आए हुए मुख्य अतिथि दूबे और प्रदेश महासचिव मनोज सिंह चौहान का स्वागत किया । इस अवसर पर रालोद ज़िला अध्यक्ष बलराम यादव ने मुख्य अतिथि को आश्वस्त किया कि आने वाले दिनों में अयोध्या जनपद में राष्ट्रीय लोकदल मुख्य पार्टी के रूप में दिखाई देगा। बैठक में युवा लोकदल के जिला अध्यक्ष अनिल वर्मा जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मिश्रा युवा महासचिव गौतम तिवारी रज्जन मिश्रा सूरत शर्मा संतोष मिश्रा गुड्डू राम मिलन वर्मा जिला उपाध्यक्ष रामजीवन बर्मा जिला सचिव बृजेश मिश्रा प्रताप शुक्ला रामसनेही कोरी अमरनाथ भाड़े राजेश तिवारी अवधेश तिवारी राम प्यारे पांडे सुधांशु पांडे कुलभूषण मिश्रा संजय मिश्रा दीनानाथ तिवारी अभय तिवारी दुर्गा शर्मा अंशु माली माधव दुबे भुलाई यादव प्रकाश पांडे बद्री भाड़े राकेश मिश्रा बाल्मीकि पांडे फौजी पांडे कन्हैया लाल रिंकू शुक्ला अनिल पांडे मोनू पांडे धीरज त्रिपाठी मोनू आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

अयोध्या में कांग्रेस पार्टी ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती

संवाददाता

अयोध्या। पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के जयंती समारोह पर कांग्रेस जनों ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा कि भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गांधी वर्ष 1966 से 1977 तक लगातार 3 पारी के लिए भारत गणराज्य की प्रधानमन्त्री रहीं और उसके बाद चौथी पारी में 1980 से लेकर 1984 में उनकी राजनैतिक हत्या तक भारत की प्रधानमंत्री रहीं। वे भारत की प्रथम और अब तक एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रहीं। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी में अभूतपूर्व आत्मबल और

दृढ़ इच्छा शक्ति थी। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री काल में देश को आर्थिक, राजनीतिक तथा सैन्य दृष्टि से बहुत मजबूत बनाया और वैश्विक स्तर पर भारत की एक मजबूत छवि प्रस्तुत की।जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि श्रीमति इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में उच्च आय वाले भारतीयों पर मध्यम कर वृद्धि, बैंक राष्ट्रीयकरण, हरित क्रांति और गरीबी हटाओ जैसी योजनाएं प्रमुख थी । स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधीजी ने प्रधान मंत्री के रूप में तीन पंचवर्षीय योजनाओं की अध्यक्षता किया , जिनमें से दो पंचवर्षीय योजनाये लक्षित विकास को पूरा करने में सफल रहीं । इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, उमेश उपाध्याय ,बृजेश रावत, कवीन्द्र साहनी, प्रेम पांडे, जमील, मनोज, आदि उपस्थित रहे।

एक नज़र

एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश राशिद कालिया ढेर, 1.25 लाख रुपये का था इनाम

झांसी। शनिवार सुबह एसटीएफ की कानपुर के चर्चित पिंटू सेंगर हत्याकांड में वंछित बदमाश राशिद कालिया के साथ मुठभेड़ हो गई। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश रशीद के सीने के पास लगी। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे मेडिकल कॉलेज में

भर्ती कराया गया था। कुछ देर बाद उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। कालिया ने झांसी में भी एक हत्याकांड को अंजाम दिया था। उस पर 1.25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। एसएसपी राजेश एस के मुताबिक, राशिद कालिया उर्फ गौड़ा उर्फ बीरू पुत्र सलीम कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के चिश्तीनगर का रहने वाला है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कालिया ने मऊरानीपुर इलाके के एक व्यक्ति की हत्या की सुपारी ली हुई है। वारदात को अंजाम देने के लिए वहां मऊरानीपुर पहुंचा हुआ था। शनिवार सुबह करीब सात बजे एसटीएम ने मऊरानीपुर पुलिस के साथ मिलकर उसे सितौरा रोड के पास घेर लिया। पुलिस को देखकर राशिद ने फायर झोंक दिया। इस पर एसटीएफ ने भी फायरिंग की। सीने में गोली लगने से कालिया गिर गया। इसके बाद उसे मऊरानीपुर सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया मौके पर सभी आला पुलिस अफसर भी पहुंच गए।

भूख प्यास से से जूझ रही गाय अधिकारी है बेखबर

संवाददाता

कालपी/ जालौन। महेबा मलथुआ योगी सरकार की गौशाला मवेशियों के लिए परेशानी बनती जा रही है! जालौन जिला में एक के बाद एक गौशाला की स्थिति बद से बदतर निकल रही है महेबा विकासखंड के ग्राम मलथुआ की गौशाला का भी यही हाल सामने आया है जहां भूख प्यास के कारण उसमे बंद गौबंशो को काला पानी की तरह सजा मिल रही है और साथ में ही इन गौबंशो की बुरी हालत है इसके बावजूद ग्राम प्रधान किरन देवी व ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा अभी तक गौबंशो के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिससे अधिकारियों की लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है कि जालौन में अन्ना पशुओं की देखरेख के लिए योगी सरकार ने गौशाला बनवाई है ! जिससे अन्ना मवेशियों को सरंक्षित किया जा सके लेकिन इसकी सच्चाई लगातार लोगो के सामने आ रही है जो कि जालौन की गौसलाओ में अव्यवस्थाओ का अंबार लगा है ! इसी वजह से प्रतिदिन गौशालाओ में दर्जनों मवेशियो की मौत हो रही है ! विकासखंड महेब के अंतर्गत आने वाला ग्राम पंचायत मलथुआ में बनी अस्थाई गौशाला में भूसे और चारे की व्यवस्था न होने के कारण सारी गौवंश भूख और प्यास से जूझ रहे हैं और इन गौबंशो को सुखा भूसा खिलाया जा रहा है ! और नाही इन गौबंशो को चराने के लिए ले जाया जाता है और नही आते है ग्राम प्रधान और सचिव मलथुआ गांव में गौशाला की देखरेख के लिए इस गांव के न तो प्रधान और न ही सचिव आते हैं, जिस कारण यहां पर अव्यस्थाओ का अंबार लगा हुआ है इसके बावजूद भी यहां तैनात सचिव व प्रधान लापरवाही बरतने में लगे हैं!जब हमारे संवाददाता ने यहां की गौशाला के मौजूदा हालात देखें तो वहा के लोगो ने बताया है कि रात को सारी गायों को छुट्टा कर दिया जाता है जिससे किसानों की सारी फसल चौपट हो जाती है और किसानों को बड़ी ही परेशानी होती है।

कुसमिलिया में 13 व 14 दिसंबर को विशाल दंगल

संवाददाता

कुसमिलिया(जालौन)। डकोर ब्लाक के अंतर्गत ग्राम कुसमिलिया में विगत कई शताब्दियों से होने वाले विशाल दंगल व मेले का आयोजन इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास से किया जाएगा।ग्राम पंचायत भवन कुसमिलिया में आज दंगल व मेला समिति की आवश्यक बैठक की गई। बैठक में दंगल स्थल की भूमि की तैयारी और मेला संबंधी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।पंचायत भवन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान प्रतिनिधि कृष्ण कुमार राजपूत ने बताया कि मेला व दंगल समिति , गाँव के वरिष्ठ युवा ग्रामीणों के मतानुसार चार दिवसीय मेले का आयोजन 13 ,14, 15 व 16 दिसंबर को किया जाएगा । जिसमे 13 व 14 दिसंबर को दो दिवसीय विशाल दंगल का आयोजन है।दंगल में सुदूर क्षेत्र से पहलवान आमंत्रित हैं।अतिथियों व ग्रामीणों के मनोरंजन हेतु रात्रि में 14 व 15 दिसंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगें। इस मौके पर मानसिंह बाबू , तुलसीराम, डॉ हरनाम सिंह,अरविंद्र राजपूत,सुरेश चंद्र,राजेंद्र बापू ,प्रमोद पुजारी, प्रयागी दादा, मूलचंद्र वर्मा, एम डी राजपूत,रवि राजपूत,दिवाकर,विपिन पालीवाल, डेविट राजपूत, कौशलेंद्र आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

छठ के पर्व पर, महिलाएं डूबते सूरज को दिया अर्घ्य

संवाददाता

गोरखपुर। खजनी छठ महापर्व को लेकर व्रती महिलाओं ने भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करके खरना संपन्न किया सूरज भगवान को दूध गुड़ से निर्मित खीर और धी की बनी रोटी का भोग लगाकर खरना किया गया खरना का प्रसाद वितरण हुआ फिर मांगलिक गीत गाते हुए अपने घर को व्रती महिलाएं प्रस्थान की खजनी थाना अंतर्गत नगर पंचायत उनवल, टेकवार झारखंडेश्वर शिवमंदिर पोखरे,आमी नदी के किनारे, नीलकण्ठ मंदिर

उनवल, बेनी पोखरा भक्तोलिया, पोखरा कन्या विद्यालय सहित विभिन्न गांवों, कोठा, कुडाभरत, रतसही, लमती भरवलिया, भालुआंन, सरया तिवारी, पुरासपार में छट्ठ के पर्व पर सूर्य भगवान को अर्घ दिया गया। सभी पोखरो के किनारे विद्युत रोशनी व पेय जल की विशेष व्यवस्था की गई है गांव प्रधानो व नगर प्रसासन द्वारा ने इस त्योहार को सम्पन्न कराने मे चढ बढ कर हिस्सा ले रहे है।

नगर पंचायत में माँ छठ के पट खुले

नगर पंचायत उनवल में स्थित भक्तोलिया में छठ माता की मूर्ति का पट नगर पंचायत अध्यक्ष के भाई उमेश कुमार दुबे ने खोला। उक्त समय धर्मराज राजभर, देवानंद पासवान, देवेंद्र यादव सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

नगर प्रशासन व चौकी पुलिस मय फोर्स चप्पे चप्पे पर दिखी तैनात

नगर पंचायत उनवल अध्यक्ष महेश कुमार दुबे व अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सरोज, चौकी इंचार्ज उनवल सोनेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कांस्टेबल रविंद्र कुमार यादव कांस्टेबल शांतनु तिवारी कांस्टेबल रविंद्र वर्मा कांस्टेबल इम्तियाज अहमद ने घाटो पर मौजूद रहे।

थरवई में युवक की हत्या, घर से कुछ दूर पर मिला शव, छानबीन में जुटी पुलिस

संवाददाता

प्रयागराज। थरवई निवासी कुंदन उर्फ नासिक (26) पुत्र आशिक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। उसके दो बड़े भाई शेर और पसेरे की भी कई साल पहले शहर में हत्या कर दी गई थी। छोटा भाई राजा बाबू जेल में बंद है। थरवई थाना क्षेत्र के थरवई में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव घर से कुछ दूर पर स्थित शराब के ठेके के पास मिला। सुबह उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने शव देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव की पहचान कर घटना की जानकारी परिजनों को दी तो कोहराम मच गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्या के कारणों का पता लगाने में पुलिस जुट गई है। थरवई निवासी कुंदन उर्फ नासिक (26) पुत्र आशिक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। उसके दो बड़े भाई शेर और पसेरे की भी कई साल पहले शहर में हत्या कर दी गई थी। छोटा भाई राजा बाबू जेल में बंद है। कुंदन रविवार की रात घर से किसी काम से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटा। सुबह उसकी लाश शराब के दुकान के पास मिली। बताया जाता है कि वह शराब का भी लती था। उसकी पत्नी मायके में रह रही है। कुंदन अपनी मां के साथ गांव में रहता था।

रामलीला के तीसरे दिन विधायक ने किया शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर।नगर पंचायत उनवल में शैक्षिक एवं सांस्कृतिक प्रसार समिति के तत्वावधान में चल रहे रामलीला के तीसरे दिन सीता हरण के मंचन में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का पशु पक्षियों को से सीता जी के विषय में जानकारी करने का दृश्य एवं गिद्ध राज जटायु का रावण से संघर्ष कर प्राण त्यागने का दृश्य को दर्शकों ने काफी सराहना की। सीता हरण के मंचन के मुख्य अतिथि सहजनवां के विधायक प्रदीप शुक्ला ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा की गिद्ध राज जटायु जैसे आमिष पक्षी ने माता सीता के हरण का रावण से विरोध करते प्राण त्यागना की कथा से सीख लेना चाहिए महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, कदाचार का हम आप तथा सबको मिलाकर विरोध करना चाहिए इससे महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा। आगे विधायक ने कहा कि महिलाओं को सम्मान देना हिन्दू धर्म और उसके संस्कृति में है रावण ने नकली सीता का हरण किया था और सीता को अशोक वाटिका में रखकर हर तरह की सुविधा दिया था रावण ने माता सीता को छूआ तक नहीं था लेकिन उसका अहंकार उसके परिवार के विनाश का मुख्य कारण बना । रामलीला तभी सार्थक होगा जब हम सब राम के आदर्शों व मर्यादाओं पर चलें तथा उसे अपने दैनिक आचरण में उतारें। उक्त अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष एडवोकेट महेश कुमार दूबे,राकेश त्रिपाठी, अमित मिश्रा, महेंद्र चौधरी, जनार्दन त्रिपाठी, शिवकुमार शाह,इंद्र कुमार निगम,दिनेश साहनी,रामलीला के संयोजक प्रेमचंद मौर्य, सभी सभासद गण तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लक्ष्मी बाई से गौरवमय बुंदेलखंड की पहचान -अनुरागी

संवाददात

उरई, जालौन। रानी लक्ष्मी बाई के शौर्य के कारण गौरवमय बुंदेलखंड की पहचान सारे देश में है। यह बात जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी ने जिला एकीकरण समिति द्वारा मनाये जा रहे एकीकरण सप्ताह के क्रम में रविवार को रानी लक्ष्मी बाई जयंती पर टाउन हाल परिसर में आयोजित सभा में कही। इस अवसर पर भाजपा की जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने अपने सम्बोधन में कहा कि रानी लक्ष्मी बाई की स्मृति साहस और देश के लिए बलिदान व समर्पण की भावना को मजबूत करती है। सभा की अध्यक्षता के पी सिंह और संचालन लक्ष्मण दास बाबानी ने किया। इसके पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और उपस्थित गणमान्य लोगों ने रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाल सिंह, पूर्व सैनिक कल्याण परिषद के अध्यक्ष कैप्टन अखिलेश नगायच और सेना में धर्मगुरु रहे शत्रुघ्न सिंह ने भी विचार प्रकट किये। गरिमा पाठक ने लक्ष्मी बाई के शौर्य को केंद्र में रख कर उन्हें स्वरचित काव्यांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शिक्षाविद अशोक राठौर, शहर काजी शकील बेग रहमानी, शशि सोमेन्द्र सिंह भी मंचासीन रहे। चौधरी जयकरन सिंह, व्यापार मण्डल के अध्यक्ष संतोष गुप्ता, शिक्षाविद आशीष मिश्रा,विकार हैदर प्रलुव्य निरंजन, रेडक्रास के अध्यक्ष डॉ नरेश वर्मा, अलीम सर, बिटोली देवी, डॉ ममता स्वर्णकार, प्रीती बंसल, अधिवक्ता मंजूर अहमद आदि उपस्थित रहे।

अयोध्या कमिश्नर गौरव दयाल की अध्यक्षता में हुई विकास कार्यों से संबंधित बैठक

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या मण्डलायुक्त/ अध्यक्ष गौरव दयाल की अध्यक्षता में अयोध्या संरक्षण एवं विकास निधि समिति की बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय में आयोजित की गयी। जिसमे समिति के उपाध्यक्ष/जिलाधिकारी नितीश कुमार के अतिरिक्त विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में जिलाधिकारी संतकबीर नगर महेंद्र सिंह तंवर व मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव भी शामिल हुई । समिति की बैठक का मुख्य एजेंडा भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित संगीत एलबम के निर्माण के प्रथम चरण की वार्ता के उपरांत चरणबद्ध तरीके से की जाने वाली तैयारियों का रहा। मंडलायुक्त ने बताया कि जैसा कि पूर्व में चर्चा की गई थी कि भगवान

श्रीराम के जीवन चरित्र के अयोध्या से जुड़े 11 प्रसंगों पर आधारित अलग-अलग लिरिक्स के माध्यम से एक संगीत अल्बम का निर्माण किया जाएगा, जिसमें अलग अलग विधा के प्रसिद्ध संगीतकारों से संगीत एलबम के निर्माण हेतु सम्पर्क किये जाने के सम्बंध में भी चर्चा की गयी थी। जिसमे इन प्रसिद्ध संगीतकारों से सम्पर्क का जिम्मा जिलाधिकारी संतकबीरनगर महेन्द्र सिंह तंवर एवम प्रसिद्ध साहित्यकार यतीन्द्र मोहन मिश्र को सौपा गया था तथा श्री मिश्र भगवान श्री राम के अयोध्या से जुड़े प्रसंग भी उपलब्ध करायेगें । उन्होंने बताया कि श्री मिश्र द्वारा 11 प्रसंगों की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है तथा जिलाधिकारी संतकबीर नगर महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि म्यूजिक एल्बम निर्माण हेतु प्रसिद्ध गायकों के अलावा ख्यातिलब्ध म्यूजिक कंपोजरो (गीतकारों) से संपर्क किया गया जिसमें से अधिकतम लोगो द्वारा म्यूजिक अल्बम निर्माण में काम करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की गई है । इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने कहा कि एक चार्ट इस प्रकार बना लिया जाय कि किस आर्टिस्ट से किस प्रसंग व उन्हें क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध करवानी है। जिससे कि एक बेहतर रूप रेखा के साथ इस दिशा में कार्य किया जा सके । बैठक में उपनिदेशक पर्यटन राजेन्द्र प्रसाद यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नाबालिक को शादी का झांसा देकर भगा ले गया युवक,

कालपी जालौन। मामला जनपद जालौन के आटा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले एक गांव का बताया जा रहा है जहां रिस्तेदारी का ही एक युवक शादी का झांसा देकर उनकी नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले गया है। परिजनों ने आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। गौरतलब हो कि थाना आटा क्षेत्र के गांव अमीसा के रहने वाली मंजू देवी पत्नी निर्पत कुशवाहा ने आज क्षेत्राधिकार कालपी देवेंद्र पचौरी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित मंजू पत्नी निर्पत कुशवाह निवासी ग्राम अमीषा थाना आटा ने अपने दुर के रिश्तेदार के लड़के राहुल पुत्र परशूराम कुशवाहा निवासी सुजानपूरा थाना कदौरा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह उनकी नाबालिक लड़की को वह बहला फुसलाक शादी का झांसा देकर भगा ले गया है। प्रार्थिनी मंजू देवी का कहना है कि 13 अक्टूबर को दोपहर 1ः00 बजे उसकी नाबालिक बेटी बेटी जिसकी उम्र 17 वर्ष है।

संपूर्ण समाधान दिवस में आश्वासन लेकर लौटे 71 फरियादी

सिर्फ दो का हुआ मौके पर निस्तारण

संवाददाता

कानपुर। तहसीलदार ने बताया कि 73 शिकायतें आई, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतों को समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिया गया।

कानपुर के बिल्हौर विकास खंड सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम विशाख जी, सीडीओ सुधीर कुमार, एसडीएम रश्मि लांबा व तहसीलदार तिमराज सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान 73 शिकायतें आई, जिनमें से सिर्फ दो का मौके पर निस्तारण हो

सका। बाकी शिकायतों को समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिया गया। ऐसे में जिन फरियादियों की समस्या नहीं सुलटी, उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की रहीं। समाधान दिवस में शिवराजपुर के सदिकामऊ गांव निवासी राम अवतार ने डीएम को शिकायतीपत्र देकर बताया कि गांव के ही कुछ दबंग उनके खेत और चकरोड पर कब्जा किए हुए हैं। वछना गांव निवारी रुजुंम ने घर पर बिजली का मीटर लगाने की मांग की। बिल्हौर के लालबहादुर शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी इशरार अहमद ने पैतृक जमीन पर परिवार के ही कुछ लोगों पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सहजना गांव निवासी रामसिया ने डीएम को शिकायतीपत्र देकर बताया कि उनके खेतों पर जाने वाले चकमार्ग पर आसपास के कई ग्रामीणों ने कब्जा कर लिया है।

विरोध करने पर करते हैं मारपीट

इससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कत हो रही। महिगवां निवासी विकास यादव ने शिकायती की कि गांव के कुछ लोगों ने उनकी भूमि पर कब्जा कर लिया है, विरोध करने पर मारपीट करते हैं। रसूलपुर के मैकूलाल ने बताया कि जीटी रोड चौड़ीकरण में उनकी भूमि अधिग्रहित की गई, लेकिन मुआवजा आज तक नहीं मिला।

73 शिकायतें आईं, दो का मौके पर निस्तारण किया गया

पूरा निवासी हरिशचंद्र ने पट्टा की भूमि पर कब्जे की शिकायत की। बेरीखानपुर गांव निवासी सूरज प्रसाद ने गांव के कुछ लोगों द्वारा हरे पेड़ काट कर बेचने की शिकायत की। तहसीलदार ने बताया कि 73 शिकायतें आई, जिनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया।

दुकानदार को पैसे देने के लिए कहा तो दो भाईयों ने कर दी बुजुर्ग की हत्या

❖ सिर में ईंट मारकर की वारदात।

संवाददाता

रोहतक। सिर में ईंट मारकर घायल किया था। 15 दिन बाद कादिर अहमद ने दम तोड़ा है। जींद रोड स्थित पीर वाली गली में रात को झगड़ा हुआ था। हरियाणा के रोहतक में दुकानदार को पैसे देने के लिए कहा तो दो भाईयों ने ईंट मारकर बुजुर्ग की हत्या कर दी। जबकि उसके बेटे को घायल कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को दी शिकायत में पीर वाली गली निवासी चमन ने चार नवंबर को शिकायत दी थी कि शुक्रवार रात करीब साढ़े 10 बजे वह गली में खड़ा था। उसके बड़े भाई अमन ने पड़ोसी युवक साहिल से कहा कि दुकानदार के पैसे दे दो। साहिल ने कहा कि तुझे क्या है। इस बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया।

आरोपी साहिल ने अपने भाई को बुला लिया। वह और उसके पिता छुड़वाने लगे तो आरोपियों ने पथराव शुरू कर दिया। एक ईंट उसके पिता कादिर अहमद के सिर में लगी। उन्होंने घायल हालत में अपने पिता को सिविल अस्पताल में दाखिल कराया, जहां से पीजीआई रैफर कर दिया गया। तभी से कादिर अहमद का पीजीआई में उपचार चल रहा था। घायल ने शनिवार की रात को दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले को हत्या के केस में बदल दिया है। बुजुर्ग पर चार नवंबर को जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी भाईयों को गिरफ्तार कर लिया था, तभी से आरोपी न्यायिक हिरासत के जेल में बंद है। घायल की शनिवार रात को मौत हो गई। ऐसे में हत्या के प्रयास के केस को हत्या के मामले में बदल दिया है।

एक नज़र

एथलेटिक मीट में डीएवी मनई का प्रदर्शन शानदार

एजेंसी

लंज (कांगड़ा)। धर्मशाला में हुई राजकीय राज्यस्तरीय एथलेटिक मीट प्रतियोगिता में डीएवी मनेई के चार खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। अंशुल ने पांच पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। अनुज ने रिले रेस में गोल्ड मेडल जीते। आशीष ने 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीता। सक्षम ने ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता। स्कूल की चेयरपर्सन पीसाफ्त, एआरओ विक्रम सिंह, प्रबंधक डॉ. रश्मि जमवाल और डीएवी मनेई के प्रधानाचार्य दिनेश कौशल ने शारीरिक शिक्षक और स्टाफ को बधाई दी है।

रिमांड पर झपटमार, सुलझेंगी कई वारदात

एजेंसी

अंबाला। जीआरपी की गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी बंधु नगर निवासी अर्जुन और उसके साथी पक्की सराय निवासी रोहित को शनिवार कोर्ट में पेश किया। उन्हें दो दिन के रिमांड पर जीआरपी के सुपुर्द किया। अब दोनों आरोपियों से ट्रेनों में हुई अन्य छीना-झपटी के मामलों में पूछताछ होगी। जानकारी यह भी सामने आई कि आरोपी अर्जुन ने कुछ वारदात को कुबूल ली हैं। जल्द ही चोरी हुए सामान की रिकवरी के लिए कार्रवाई होगी। अंबाला कैंट जीआरपी थाने के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर सोना और मोती बरामद कर लिए हैं। दोनों को अब रिमांड पर लिया गया है, जिससे कि पिछले दिनों ट्रेनों में हुई छीना-झपटी के मामलों को सुलझाया जा सके, क्योंकि इन घटनाओं में भी अर्जुन और रोहित की संलिप्तता मिली है। इसका खुलासा भी जल्द किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अर्जुन एक शातिर झपटमार है। वो 2012 में पहले ऐसे ही एक मामले में पकड़ा था। इस दौरान उसने तीन से चार वारदात को अंजाम दिया। बीच में अचानक वो कहीं गायब हो गया। लेकिन कुछ दिनों में अचानक ट्रेनों में फिर छीना-झपटी की वारदात बढ़ने लगी थी तो शक की सुई अर्जुन पर गई, लेकिन सबूत न होने के कारण कार्रवाई में समय लग रहा था। जब 16 नवंबर को हीराकुंड एक्सप्रेस में ऐसी ही एक घटना हुई तो हुलिए के आधार पर शक की सुई अर्जुन पर गई। जब अर्जुन की फोटो व्यापारी को दिखाई गई तो उसने तुरंत उसे पहचान लिया। गौरतलब है कि अर्जुन ने अपने साथी रोहित के साथ मिलकर हीराकुंड एक्सप्रेस में छीना-झपटी की वारदात को अंजाम दिया था और वो 19 लाख 63 हजार का सोना लेकर फरार हो गया था।

मेरी बाली सी उमरिया, मत ना ब्याहिए मां... गीत पर थिरकीं छात्राएं

समूह और एकल लोक नृत्य में दिपाली समूह के छात्र रहे प्रथम, चिरंजीलाल महाविद्यालय में जिला युवा महोत्सव का आयोजन

एजेंसी

करनाल। पंडित चिरंजीलाल महाविद्यालय सेक्टर-14 जिला युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मेरी बाली सी उमरिया, मत ना ब्याहिए मां... जैसे हरियाणवी गीत पर छात्राएं जमकर थिरकीं। समूह नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय पॉलिटेक्निक नीलोखेड़ी के दिपाली समूह ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए समूह नृत्य में प्रथम स्थान हासिल किया। एकल लोक नृत्य में भी दीपाली समूह की ही रितिका व रोहित ने प्रथम स्थान हासिल किया। जिले भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विजेता रहे प्रतिभागी अब राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को 750 रुपये से 15 हजार रुपये तक के 48 पुरस्कार वितरित किए गए। इस बार जिला युवा महोत्सव में समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, एकल लोक नृत्य, एकल लोकगीत, कहानी लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण फोटोग्राफी व तत्कालीन व्याख्यान प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इन प्रतियोगिताओं में 15 से 29 वर्ष आयु के युवाओं ने हिस्सा लिया। राज्य स्तरीय महोत्सव का आयोजन पांच से सात दिसंबर को आयोजित होना है। समूह नृत्य में दिपाली समूह राजकीय पॉलिटेक्निक प्रथम, एकल लोक नृत्य में दिपाली ग्रुप की ही रितिका, रोहित प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में दीपक राणा प्रथम, पोस्टर मेकिंग में पंडित चिरंजीलाल महाविद्यालय की जन्नत प्रथम, विज्ञान की थीम आधारित गतिविधियां में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुटेल के छात्रों का दबदबा रहा। विषयगत प्रतियोगिता व्यंजन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया। एकीकृत खेती प्रोटोटाइप पर विषयगत प्रतियोगिता में राजकीय औद्योगिक संस्थान के छात्रों ने अव्वल प्रदर्शन किया।

बलिदानी जवान जोगिंदर का पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार, नौ वर्षीय बेटे ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

श्रीनगर। आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव अवताल काटला में अंतिम संस्कार किया गया। उनके नौ वर्षिय बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। सांबा के आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंद्र कुमार का रविवार को उनके पैतृक गांव अवताल काटला में अंतिम संस्कार किया गया। उनके नौ वर्षिय बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। गुरुवार को छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी के दौरान आईईडी विस्फोट में गंभीर घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया । जोगिंदर कुमार सांबा की सीमावर्ती पंचायत सदोह के निवासी थे। जब उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो हर ओर चीख पुकार मच गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बेटे के पार्थिव शरीर को देख मां बिलख गई। रविवार को पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। डीसी सांबा, एसएसपी सांब, आईटीबी के उच्च अधिकारी समेत सैकड़ों के संख्या में लोग जवान जोगिंद्र की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। बलिदान हेड कांस्टेबल की पत्नी रेखा देवी ने बताया कि उसकी घटना से कुछ देर पहले पति के साथ वीडियो कॉल पर बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि मैं जल्द ही छुट्टी लेकर घर आउंगा। इतना कहते ही ड्यूटी पर जाने की बात कहकर फोन काट दिया और बोले कि ड्यूटी से लौटते ही शाम को फोन करुंगा, पर क्या पता था कि मैं उनको आखिरी बार देख रही हूं और बात कर रही हूं।

मुस्लिम महिलाओं ने मांगी दुआ, मंदिरों में हवन

हर दिल से निकल रही बस एक ही दुआ...भारत विश्व विजेता

संवाददाता

उत्तराखंड। विश्व कप 2023 के फाइनल में आज भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से है। मैच शुरू हो चुका है, वहीं दूसरी तरफ टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए विशेष प्रार्थना और यज्ञ का दौर भी शुरू हो गया है। उत्तराखंड के कुमाऊं में पत्थरचट्टा में आनंदी मंदिर धाम में लोगों ने भारत की जीत के लिए हवन पूजन किया। तो वहीं सीरगोटिया में मुस्लिम महिलाओं ने दुआ मांगी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने फाइनल में टॉस जीत लिया है। उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। क्रिकेट प्रेमियों की नजर भी बस अब टीवी स्क्रीन पर है। कई जगह पर मैच के लिए सामूहिक इंतजाम किए गए थे। तो कहीं लोग

फोन लेकर बैठ गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को देखने के लिए कई हस्तियां पहुंची है। क्रिकेट वर्ल्डकप के फाइनल में भारत की जीत के लिए मंदिरों में पूजा-पाठ किए गए और मस्जिदों में दुआ हुई। परमार्थ निकेतन में टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए शनिवार को विशेष प्रार्थना और यज्ञ का किया गया। परमार्थ के ऋषिकुमारों ने तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जयकारों और वेदमंत्रों के साथ विशेष पूजन, हवन किया। क्रिकेट के इस महामुकाबले को लेकर फैंस उत्साहित है। हर कोई चाहता है कि भारत विश्व विजेता का ताज पहने और आस्ट्रेलिया से 2003 के वर्ल्डकप फाइनल की हार का बदला ले। मैच देखने के लिए टीवी के आगे खड़े हो गए लोग। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप इतिहास की सबसे सफल टीम है। वह आठवीं बार फाइनल में उतरेगा। उसने पांच बार खिताब अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में विश्व कप जीतने में सफल हुआ है। टीम इंडिया की नजर उसे इस बार खिताब जीतने से रोकने पर है। भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल का टिकट कटाया है। वहीं, कंगारू टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत हासिल की। अब 20 साल बाद खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें एक बार फिर से आमने-सामने होंगी। तब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

बांधवगढ़ में आदिवासी महिला CHO से चुनाव ड्यूटी के दौरान छेड़छाड़

❖ सेक्टर मजिस्ट्रेट पर केस दर्ज

एजेंसी

उमरिया। उमरिया से बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन ड्यूटी के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा आदिवासी महिला ष्टाह्र से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बीमारी का बहाना बनाकर महिला सीएचओ को अपने पास बुलाया था। जानें पूरा मामला...। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र 89 के आकाशकोट इलाके में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ पीआईयू पंकज गुप्ता को नियुक्त किया गया था। उनके सेक्टर में पांच पोलिंग बूथ पठारी कला, धवईझर, माली और तुम्मादर शामिल थे। इसी क्षेत्र में ग्राम बड़वार में पदस्थ 25 वर्षीय आदिवासी महिला सीएचओ निवासी थाना मानपुर क्षेत्र की डियूटी मेडिकल सुविधा के लिए लगाई गई थी। इसी दौरान पंकज गुप्ता ने बीमारी का बहाना बना कर महिला सीएचओ को बुलाया और छेड़खानी की। इस घटना की शिकायत पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, 17 नवंबर को मतदान के दौरान दिन में लगभग ढाई बजे पोलिंग बूथ तुम्मादर में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता ने एएनएम को फोन कर बुलाया। फिर कहा कि हमारी तबीयत खराब लग रही है, हमको दवा चाहिए। जबकि सीएचओ पोलिंग बूथ क्रमांक 160 पठारी कला में थीं। फोन आते ही वह तत्काल तुम्मादर पहुंचीं, जहां पोलिंग बूथ के बगल वाले कमरे में सेक्टर मजिस्ट्रेट पंकज गुप्ता लेटे हुए थे। उन्होंने कहा कि हम मोबाइल में दवा सर्च किए हैं, इसको देख लो। सेक्टर मजिस्ट्रेट के इतना कहने पर वह जैसे ही मोबाइल देखने को झुकीं तो एसडीओ पंकज गुप्ता सेक्टर मजिस्ट्रेट ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींच लिया। इसके कारण वह उनके ऊपर गिर गई, तब पंकज गुप्ता से वह बोलीं कि सर आप ये क्या कर रहे हैं। इस पर पंकज गुप्ता बोले कि तुम्हारे विभाग में ये सब चलता है, क्यों परेशान हो। तब महिला सीएचओ किसी तरह अपने आप को छुड़ा कर वहां से चिल्लाते हुए बाहर की तरफ भागीं। फिर अपने साथी सीएचओ संजीव उइके को फोन से सूचना दी। इसके बाद संजीव द्वारा तत्काल सीएमएचओ डॉक्टर आरके मेहरा को खबर दी गई। खबर मिलते ही सीएमएचओ तुम्मादर पहुंचे और सीएचओ को अपनी गाड़ी से उमरिया ले आए। टीआई कोतवाली राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने सारी घटना बताई। उसके बाद कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 647 पर धारा 354 आईपीसी और एससी एसटी एक्ट 3(2)(ङ्क) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अटका में बैठने का शुल्क घटाया, अब 5100 में चार लोग हो पाएंगे आरती में शामिल

जम्मू। अब दो बड़े और दो बच्चे (10 वर्ष तक) 5100 रुपये में मां की आरती में शामिल हो पाएंगे। इससे पहले प्रति व्यक्ति 2000 रुपये शुल्क था। कम किए गए शुल्क का फायदा ग्रुप को और ऑनलाइन बुकिंग पर ही मिलेगा। नवंबर से लेकर फरवरी तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अटका आरती में शामिल होने का शुल्क कम कर दिया है। अब दो बड़े और दो बच्चे (10 वर्ष तक) 5100 रुपये में मां की आरती में शामिल हो पाएंगे। इससे पहले प्रति व्यक्ति 2000 रुपये शुल्क था। कम किए गए शुल्क का फायदा ग्रुप को और ऑनलाइन बुकिंग पर ही मिलेगा।

अशोकनगर में गरजे योगी आदित्यनाथ

❖ बोले- कुछ नहीं कर सकती तो कांग्रेस जैसा बोझ ढोने का क्या मतलब।

एजेंसी

अशोकनगर। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लाभ कैसे मिलता है, यह बीते सालों में मध्यप्रदेश ने देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मिलकर मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की स्थिति से उबारा और विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पन्ना के पवई और अशोकनगर में सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को सुरक्षा नहीं दे सकती, विकास और गरीब कल्याण के काम नहीं कर सकती, लोगों की आस्था का सम्मान नहीं कर सकती, तो उस कांग्रेस रूपी बोझ को ढोने का मतलब क्या है?

कांग्रेस का एजेंडा नहीं था विकास

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लाभ कैसे मिलता है, यह बीते सालों में मध्यप्रदेश ने देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मिलकर मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की स्थिति से उबारा और विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारें जो काम 55-60 सालों में नहीं कर सकी थीं, पीएम-सीएम की जोड़ी ने वह काम सिर्फ 9 सालों में कर दिखाया है। हर गरीब के पास सिर छुपाने के लिए छत होना, गरीब के घर में शौचालय का निर्माण होना, हर गरीब को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख तक इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना, हर घर में बिजली पहुंचाना, उज्जवला योजना में गैस कनेक्शन देना जैसे काम कांग्रेस भी कर सकती थी। उसे भी 60 सालों तक काम करने का मौका मिला था। लेकिन विकास उसके एजेंडे का हिस्सा नहीं रहा। गरीबों, वनवासियों, दलितों का कल्याण उसके एजेंडे का हिस्सा कभी नहीं रहा।

वोट बैंक की राजनीति करती रही कांग्रेस

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को जातियों के नाम पर बांटती रही। हमारे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करती रही। जब सरकार की तरफ से कुछ देने की बात आती थी, तो कांग्रेस कहती थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। कांग्रेस ने कभी यह नहीं कहा कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों का है। कभी ये नहीं कहा कि संसाधनों पर पहला अधिकार देश के किसानों, नौजवानों, बहनों, माताओं का है। कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती रही। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तो उन्होंने कहा कि मेरी सरकार गरीबों की, वंचितों की, दलितों की, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, नौजवानों की सरकार है और सभी वर्गों के लिए काम करेगी। उन्होंने %सबका साथ, सबका विकास% का नारा दिया, जिसमें समग्रता का भाव है। समग्रता की यही भावना रामराज्य की आधारशिला है।

कांग्रेस समस्याएं पैदा करती है

योगी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ समस्याएं पैदा करती है। ये समस्याएं उसकी वोट बैंक की राजनीति का आधार रही हैं, इसलिए वो इन समस्याओं को पोषित करती रही है, उनका समाधान नहीं किया। इन समस्याओं का समाधान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार कर रही है। कांग्रेस ने 370 लगाई, भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 हटा दी। कांग्रेस के समय में देश में पनपे अलगाववाद, आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्याओं पर भी भाजपा की सरकार नकेल लगा रही है। कांग्रेस के समय में लोग कोई पर्व, कोई त्योहार सुख शांति से नहीं मना पाते थे। हर त्योहार के पहले ही कर्फ्यू लग जाता था, लेकिन आज देश में शांति है और लोग आनंदपूर्वक अपने पर्व-त्योहार मना रहे हैं।

विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने जिस मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार उसे विकास के रास्ते पर लेकर आई है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदेश को मिल रहा है। आज मध्यप्रदेश देश में सबसे ज्यादा कृषि विकास दर वाला राज्य है। यहां का स्वादिष्ट शरबती गेहूं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में नए उद्योग लग रहे हैं, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, नए हाईवे बन रहे हैं, अच्छी सड़कें बन रही हैं। मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसी संस्थाओं की श्रृंखला प्रदेश में खड़ी हो रही हैं, जिनसे प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने जिस तरह से मध्यप्रदेश को वेलफेयर स्टेट बनाया है, यही रामराज्य की अवधारणा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश विकास के इस रास्ते पर और तेजी से आगे बढ़ सके, इसके लिए भाजपा की सरकार होना जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार का कप्तान बनना तय!

एजेंसी

नई दिल्ली। आयरलैंड में खेलने वाली टीम के अधिकांश सदस्यों को बरकरार रखा जा सकता है। हालांकि, उस सीरीज में कप्तानी करने वाले जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में मिली हार के बाद भारतीय टीम की नजर अब आगामी सीरीज पर है। टीम इंडिया को गुरुवार (23 नवंबर) से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके लिए टीम का एलान जल्द होने वाला है। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव सीरीज में कप्तानी करेंगे। वहीं, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण सीरीज के दौरान टीम के कार्यवाहक कोच हो सकते हैं।

आयरलैंड में खेलने वाली टीम के अधिकांश सदस्यों को बरकरार रखा जा सकता है। हालांकि, उस सीरीज में कप्तानी करने वाले जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। विश्व कप टीम में रहे प्रसिद्ध कृष्णा का सीरीज का हिस्सा बनना तय है, लेकिन चोटिल हार्दिक पांड्या के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। अगर वह फिट होते तो निश्चित तौर पर वह कप्तान होते।

अहमदाबाद में हुई चयनकर्ताओं की बैठक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम चयन के लिए सोमवार (20 नवंबर) को अहमदाबाद में चयनकर्ताओं की बैठक हुई। इस दौरान श्रेयस अय्यर को कप्तानी देने पर भी विचार किया गया था, लेकिन कार्यभार को देखते हुए उन्हें आराम दिया जा सकता है। वह एशिया कप से लगातार टीम के साथ बने हुए हैं। उससे पहले लंबे समय तक वह चोट के कारण बाहर रहे थे।

बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल हुए थे हार्दिक

हार्दिक की बात करें तो विश्व कप के दौरान पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी और इसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। हार्दिक को पैर से फॉलोथ्रू में गेंद को रोकने की कोशिश में चोट लगी थी। हालांकि, उन्होंने अपना संतुलन खो दिया और घुटने के बल गिरे थे। उनके शरीर का वजन उनके मुड़े हुए टखने पर नीचे आ गया। ऑलराउंडर को इसके बाद तुरंत मैदान से बाहर जाना पड़ा था और स्कैन के लिए ले जाया गया था। उम्मीद थी कि वह विश्व कप के बाद के चरणों में दिखाई देंगे, लेकिन चोट शुरू में अनुमान से भी बदतर थी। उन्हें लंबे समय के लिए बाहर होना पड़ा है।

ऋतुराज को नहीं मिलेगी कप्तानी?

ऋतुराज की अगुआई में भारत ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, उन्हें कप्तान बनाए जाने के बारे में विचार नहीं हुआ है। साथ ही इस टीमें एशियाई खेलों में खेलने वाले खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा को शामिल किया जा सकता है।

पूरे टूर्नामेंट में चैंपियन की तरह खेली टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में चैंपियन की तरह खेली और फाइनल से पहले हर मैच जीता। इस दौरान टीम इंडिया ने कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड अपने नाम किए। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम इस हार के चलते आईसीसी ट्रॉफी का एक दशक लंबा सूखा खत्म करने से चूक गई। हालांकि, यह टीम पूरे टूर्नामेंट में चैंपियन की तरह खेली और फाइनल से पहले हर मैच जीता। इस दौरान टीम इंडिया ने कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड अपने नाम किए। यहां हम इस विश्व कप में भारतीय टीम और भारतीय खिलाड़ियों के रिकॉर्ड के बारे में बता रहे हैं। भारत ने 3160 रन बनाए, टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर 410/4 रहा, जो नीदरलैंड के खिलाफ बनाया। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम सिर्फ फाइनल में ही ऑलआउट हुई, लेकिन इस मैच में भी पूरे 50 ओवर खेलने में सफल रही। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ भारत के नौ विकेट गिरे थे। भारत के खिलाफ 2276 रन बने। सबसे बड़ा स्कोर 327 रन रहा, जो सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने बनाया। रनों के लिहाज से इस टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत 302 रन की रही, जो श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में मिली। वहीं, विकेट के लिहाज से सबसे बड़ी जीत आठ विकेट की रही, जो अफगानिस्तान के खिलाफ मिली। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल 100 विकेट लिए। 11 मुकाबलों में आठ बार भारत ने विपक्षी टीम को ऑल आउट किया। दो मुकाबलों में आठ विकेट लिए। सिर्फ फाइनल में ही भारतीय गेंदबाज चार विकेट ले सके। वहीं, भारत ने पूरे टूर्नामेंट में 58 विकेट गंवाए। फाइनल को छोड़ किसी मैच में टीम इंडिया ऑल आउट नहीं हुई। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के सिर्फ दो विकेट गिरे थे। इस विश्व कप में भारत की तरफ से चार बल्लेबाजों ने सात शतक लगाए। विराट कोहली ने तीन और श्रेयस अय्यर ने दो शतक लगाए। कप्तान रोहित शर्मा और लोकेश राहुल के बल्ले से एक-एक शतक निकले। इस विश्व कप में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए। उन्होंने 11 पारियों में 765 रन बनाए। वहीं, रोहित शर्मा 597 रन के साथ दूसरे स्थान पर रहे। श्रेयस अय्यर ने 530 और लोकेश राहुल ने 452 रन बनाए। इस विश्व कप में सबसे बेहतर औसत भी विराट कोहली का रहा। उन्होंने 95.62 के औसत से रन बनाए। लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा का औसत भी 50 से ज्यादा रहा। विराट ने इस विश्व कप में सबसे ज्यादा छह अर्धशतक लगाए।

कैजुअल से लेकर फॉर्मल हर एक लुक के लिए बेस्ट हैं वेस्टकोट्स

वेस्टकोट आपके लुक में स्टाइल एड करने का काम करते हैं साथ ही ये स्लिम-ट्रीम लुक भी देते हैं। डेनिम हो या जयपुरी वेस्टकोट्स को आप किसी भी सीज़न में हर एक आउटफिट्स के साथ पहन सकती है। अपने आउटफिट्स को स्टाइलिश लुक देने के लिए वॉडरोब में वेस्टकोट को भी शामिल करें। इन दिनों कलरफुल वेस्टकोट्स में फ्लोरल, फ्रिंज्ड, ट्राइबल, ज्योमेट्रिकल, एंब्रायडरी और राजस्थानी प्रिंट ट्रेंड में हैं। इन्हें आप शर्ट, कुर्ते, वनपीस या सॉलिड कलर्ड ड्रेस के साथ भी कंबाइन कर सकती हैं।

वुलेन वेस्टकोट्स: फॉर्मल टच के लिए व्हाइट शर्ट पर वुलेन सॉफ्ट फैब्रिक से बने वेस्टकोट को इस सीज़न ट्राई करना न भूलें। जो ऑफिस में भी आपके स्टाइल को रखेंगे बरकरार।

जयपुरी वेस्टकोट्स: जयपुरी वेस्टकोट्स का फैशन हमेशा इन रहता है। इसे आप कुर्ती या टॉप पर पहनें। प्लेन कुर्ती या टॉप के साथ इनका लुक उभर कर आता है। कैजुअल के अलावा इन्हें आप ऑफिस और डे आउटिंग के लिए भी पहन सकती हैं।

कलरफुल वेस्टकोट्स: किसी भी लाइट कलर की ड्रेस के साथ शिफॉन के फ्लोरल वेस्टकोट्स को बिंदास होकर कैरी करें। फ्लोरल का ट्रेंड एवरग्रीन है। हां, ऑफिस में ऐसे वेस्टकोट्स को अवॉयड करें। डे फंक्शन के लिए इन्हें पहनने का आइडिया रहेगा बेस्ट।

शाइनी वेस्टकोट्स: पार्टी में स्टाइलिश दिखना हो तो इस शाइनी वेस्टकोट को कैजुअल ड्रेस के साथ पहनें। साथ ही इससे बोल्ड लुक भी मिलेगा। इसे भी सॉलिड कलर के आउटफिट्स के साथ ही टीमअप करें।

डेनिम वेस्टकोट्स: डेनिम के वेस्टकोट्स रफ एंड टफ लुक के लिए कैरी करें। डेनिम वेस्टकोट्स की अच्छी बात होती है कि इन्हें आप एथनिक से लेकर वेस्टर्न हर एक आउटफिट्स पर कैरी कर सकते हैं।

बड़ी रोचक है राजस्थान के सास-बहू मंदिर की कहानी

सास-बहू मंदिर को दो संरचनाओं में बनाया गया है। उनमें से एक सास द्वारा और एक बहू के द्वारा बनाया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार नक्काशीदार छत और बीच में कई खांचों वाली मेहराब हैं। एक वेदी, एक मंडप (स्तंभ प्रार्थना हॉल), और एक पोर्च मंदिर के दोनों संरचनाओं की सामान्य विशेषताएं हैं। भारत एक ऐसा देश है जहां पर हर जाति, वर्ग, संप्रदाय और हर संस्कृति के लोग मिलते हैं। इसी लिए हर देवी-देवता के पूजा स्थल भी आपको यहां देखने को मिलेंगे। नदी, पानी, आकाश, पेड़, झरना, धरती, सूरज, चंद्रमा हर चीज की पूजा की जाती है। इसी कारण भारत में हर भगवान के मंदिर हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान के उदयपुर से 23 किमी दूर नागदा गांव में स्थित सास-बहू मंदिर। जो भगवान विष्णु को समर्पित है। इस पूरे मंदिर को दो संरचनाओं में बनाया गया है। उनमें से एक सास द्वारा और एक बहू के द्वारा बनाया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार नक्काशीदार छत और बीच में कई खांचों वाली मेहराब हैं। एक वेदी, एक मंडप (स्तंभ प्रार्थना हॉल), और एक पोर्च मंदिर के दोनों संरचनाओं की सामान्य विशेषताएं हैं। 10 वी शताब्दी के कच्छवाहा वंश के राजा महिपाल के द्वारा बनवाये गये इस मंदिर को सहस्त्रबाहू के नाम से जाना जाता है। सहस्त्रबाहू का मतलब होता है हजार भुजाओं वाला। यहा भगवान विष्णु की आराधना की जाती है। सहस्त्रबाहू नाम का लोग सही से उच्चारण नहीं कर पाते थे इस लिए धीरे-धीरे इस मंदिर का नाम सास-बहू मंदिर पड़ गया। इस मंदिर के इतिहास की बात की जाए तो कहा इतिहासकारों का मानना है कि भारत में मुगल आये थे तो मुगलों ने सास-बहू मंदिर

को चूने और रेत से ढकवा दिया था और पूरे मंदिर के परिसर पर अपना राज जमा लिया था। मंदिर के अंदर विष्णु भगवान के अलावा शिवा सहित कई पूजनीय भगवान की मूर्तियां थी जिसे मुगलों ने खंडित कर दिया था। जिसके बाद से इस मंदिर का आकार रेत के पहाड़ की तरह लगने लगा। मुगलों के बाद भारत में अंग्रेज आये और पूरे देश पर कब्जा कर दिया तब इस मंदिर को वापस खुलवाया गया आम लोगों के लिए।

अनार के रस के सेवन से मिलते हैं यह जबरदस्त लाभ

अनार के रस का इस्तेमाल दस्त के उपचार के रूप में भी किया जा सकता है। दरअसल, यह एंजाइम्स के स्राव में अहम भूमिका निभाता है और पाचन प्रक्रिया को सही करता है। अगर किसी व्यक्ति को अपच की शिकायत हो तो उसे एक टीस्पून शहद का सेवन एक गिलास अनार के रस में मिलाकर करना चाहिए।

इस बात से तो हम सभी वाकिफ है कि फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि लोग हमेशा फलों के रस की बजाय उन्हें यूं ही खाने की सलाह देते हैं क्योंकि इससे उनके स्वास्थ्य लाभ काफी कम हो जाते हैं। दरअसल, अधिकतर फलों के छिलकों में एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं और जब उनका रस निकाला जाता है तो वह एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी निकल जाते हैं। लेकिन अनार के रस के साथ ऐसा नहीं होता। अनार का रस भी सेहत के लिए उतना ही लाभकारी है, जितना इसके दानों का सेवन करना।

तो चलिए आज हम आपको अनार के रस से होने वाले कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं-

सुधारे दिल की सेहत: अनार का रस दिल की सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह धमनियों में रूकावट के जोखिम को कम करता है। जिससे हृदय या मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह बेहतर तरीके से होता है। इसके अतिरिक्त यह खराब कोलेस्टॉल की मात्रा को भी कम करता है तथा अच्छे कोलेस्टॉल की मात्रा को बढ़ाता है।

बनाए रखे ब्लड शुगर लेवल: अनार के रस के सेवन का एक लाभ यह भी है कि यह रक्त में शर्करा के स्तर को नहीं बढ़ाता, जबकि अन्य फलों के रस का सेवन करने से ऐसा होता है। इसलिए मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति भी इसका सेवन बेफिक्र होकर कर सकते हैं।

कम करे रक्तचाप: जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें अनार के रस का सेवन करना चाहिए। दरअसल, यह एक प्राकृतिक एस्पिरिन है, जो रक्त के जमाव और रक्त के थक्का बनने से रोकता है। साथ ही यह रक्त को पतला करके उसके प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे व्यक्ति को ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं होती।

दस्त में लाभदायक: अनार के रस का इस्तेमाल दस्त के उपचार के रूप में भी किया जा सकता है। दरअसल, यह एंजाइम्स के स्राव में अहम भूमिका निभाता है और पाचन प्रक्रिया को सही करता है। अगर किसी व्यक्ति को अपच की शिकायत हो तो उसे एक टीस्पून शहद का सेवन एक गिलास अनार के रस में मिलाकर करना चाहिए।

बढ़ाए इम्युनिटी: अनार के रस में एंटी-बैक्टीरिल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो वायरस व बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार होते हैं। साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाते हैं। इतना ही नहीं, इसके एंटी-माइक्रोबियल गुण इसे एचआईवी संचरण का अवरोधक भी बनाते हैं। आपको शायद पता न हो लेकिन अनार एक ऐसा फल है, जिसमें एचआईवी के संचरण को रोकने की क्षमता सबसे अधिक है।

मधुमेह रोगियों से लेकर माइग्रेन तक का उपचार करते हैं अंगूर

अंगूर खाने में भले ही मीठे हो लेकिन फिर भी मधुमेह पीड़ित व्यक्ति बेफिक्र होकर इनका सेवन कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अंगूर मधुमेह को रोकने में भी मददगार हैं। अंगूर में एक ऐसा तत्व पाया जाता है, जो रक्त में शर्करा के स्तर को काम करता है, जिससे मधुमेह रोगियों को लाभ होता है। अंगूर एक ऐसा फल है, जिसे खाने के लिए बिल्कुल भी मेहनत नहीं करनी पड़ती। बस जब भी मन किया, तुरंत खा लिया। वैसे यह खाने में जितना लाजवाब होता है, इसकी न्यूटिशन वैल्यू भी उतनी ही अधिक होती है। हालांकि बहुत से लोग इससे अनजान होते हैं। तो चलिए आज हम आपको अंगूर से होने वाले कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में बता रहे हैं-

अल्जाइमर का इलाज: आपको शायद पता न हो लेकिन अंगूर ब्रेन हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह अल्जाइमर जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों को शुरूआत में ही रोकने में सक्षम है। ऐसा इसमें मौजूद पॉलीफेनोल्स के कारण होता है। इसलिए अगर आपको स्वयं को मस्तिष्क विकारों से बचाना है जो अंगूर का सेवन करना शुरू कर दीजिए।

अपच का उपचार: आज के समय में लोग जिस तरह किसी भी वक्त कुछ भी खा लेते हैं, उसके कारण पाचन संबंधी परेशानियां उत्पन्न होती है। अंगूर पेट की गर्मी को कम करता है और अपच को ठीक करता है। इसके लिए आप एक गिलास अंगूर के रस का सेवन करें। यह अपच के साथ-साथ पेट में सूजन व जलन को भी कम करेगा।

माइग्रेन से राहत: अगर आपको सिर में बहुत तेज दर्द हो रहा हो तो एक गिलास अंगूर के रस का सेवन कीजिए। वहीं जिन लोगों को माइग्रेन की शिकायत रहती है, वे हर सुबह ताजे अंगूर के रस का सेवन करें। दरअसल, अंगूर में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स सिरदर्द व माइग्रेन के उपचार के लिए बेहद प्रभावी तरीके से काम करते हैं।

लड़े

स्तन कैंसर से: भारत में स्तन कैंसर के मामलों में हर दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। इससे लड़ने में अंगूर आपकी मदद कर सकता है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लके स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार सामजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।